संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 146
पृष्ठ 8
गुरूवार
13 फरवरी 2025
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- एसिडिटी और खट्टी डकार...
विचार- देर से हुआ बीरेन सिंह का इस्तीफा
खेल- एनसीए ने फिट घोषित किया...

पीएम मोदी ने मार्सिले में भारत के नए वाणिज्य दूतावास का किया उद्घाटन

- पीएम मोदी और इमैनुएल मैक्रों ने एक साथ बटन दबाकर वाणिज्य दूतावास का उद्घाटन किया।
- विश्व युद्ध में बलिदान हुए भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की

पेरिस, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को अपने फ्रांस दौरे के तीसरे दिन फ्रांस के मार्सिले शहर में भारत के नए वाणिज्य दूतावास का उद्घाटन किया। पीएम मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ मिलकर ये उद्घाटन किया। यह भारत का फ्रांस में दूसरा वाणिज्य दूतावास होगा। एक भारतीय वाणिज्य दूतावास पेरिस में संचालित हो रहा है। उद्घाटन समारोह में पीएम मोदी और इमैनुएल मैक्रों ने एक साथ बटन दबाकर वाणिज्य दूतावास का उद्घाटन किया। इस दौरान लोगों ने भारत और फ्रांस के राष्ट्रीय ध्वज हाथ में थामे हुए थे। इससे पहले पीएम मोदी और मैक्रों ने माजारगेज सीमेट्री का भी दौरा किया और विश्व युद्ध में बलिदान हुए भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। अपने फ्रांस दौरे के आखिरी दिन पीएम मोदी फ्रांस में भारत के नए वाणिज्य दूतावास का उद्घाटन किया। इसके बाद पीएम मोदी, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ मिलकर अंतरराष्ट्रीय थर्मोन्यूक्लियर एक्सपेरिमेंटल रिएक्टर प्रोजेक्ट का दौरा करेंगे। यह एक न्यूक्लियर फ्यूजन प्रोजेक्ट है, जो अंतरराष्ट्रीय सहयोग से बन रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को फ्रांस की राजधानी पेरिस में हुए एआई समिट की फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ सह-अध्यक्षता की। सम्मेलन के दौरान अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि एआई, राजनीति, अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और समाज को बदल रहा है। इसे लेकर ओपन सोर्स वैश्विक फ्रेमवर्क बने ताकि दुनिया में इसे लेकर पारदर्शिता और विश्वास बढ़े। पीएम मोदी ने कहा कि इतिहास गवाह है कि तकनीक ने नौकरियां कम नहीं की हैं बल्कि बढ़ाई हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता कंप्यूटरों को इंसानों की तरह सोचने और काम करने में सक्षम बनाने वाली तकनीक है। यह कंप्यूटर विज्ञान का उभरता हुआ क्षेत्र है। जिसमें गणित, सांख्यिकी, संज्ञानात्मक विज्ञान को कंप्यूटिंग से जोड़ा जाता है। एक रिपोर्ट में बीते साल कहा गया था कि भारत, सिंगापुर, ब्रिटेन और अमेरिका जैसे प्रमुख देशों में 60 फीसदी कंपनियों के पास एआई परियोजनाएं चल रही हैं या पायलट चरण में हैं। वहीं, स्पेन, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, जर्मनी, जापान जैसे देशों में केवल 36 प्रतिशत कंपनियों ने इसी तरह की एआई पहल शुरू की है।

योगी आदित्यनाथ ने स्व. चौधरी अजित सिंह की प्रतिमा का अनावरण किया

किसानों ने खेती की उन्नत तकनीक अपनाकर अपना विकास किया

- सीएम ने 351 करोड़ की 281 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया

बागपत, संवाददाता। छपरौली के श्री विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में रालोद के संस्थापक व पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. चौधरी अजित सिंह की प्रतिमा का बुधवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने अनावरण किया। इसके साथ ही सीएम ने 351 करोड़ की 281 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया। केंद्रीय राज्यमंत्री चौधरी जयंत सिंह उनके साथ रहे। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वेस्ट यूपी के किसानों ने खेती की उन्नत तकनीक अपनाकर अपना विकास किया है। चौधरी अजित सिंह भी कहते थे कि देश के विकास का रास्ता खेत और किसान से होकर गुजरता है। उसी से प्रेरणा लेकर हम किसानों के हित की दिशा में काम कर रहे हैं। सीएम ने कहा कि जो लोग कुंभ की व्यवस्थाओं पर अंगुली उठा रहे थे, वे अब चुपचाप डुबकी लगाकर आ रहे हैं। 26 फरवरी तक कुंभ भव्यता से चलता रहेगा और श्रद्धालु लाभ उठाते रहेंगे। महाकुंभ में कल तक 50 करोड़ लोग डुबकी लगा लगेंगे। सीएम ने कहा कि पहले पुलिस की भर्ती निकलती थी, लेकिन नौजवान को नौकरी नहीं मिलती थी। हमारी सरकार में अब पुलिस भर्ती चल रही है और बिना भेदभाव के सभी जिलों के युवाओं को उनकी प्रतिभा के आधार पर चयनित किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश का नौजवान तो अपनी ताकत दिखाएगा ही, हमने इसमें 20 फीसदी नौकरी बेटियों के लिए आरक्षित कर दी हैं। अगले दो महीने में इनकी ट्रेनिंग शुरू हो जाएगी। इसी साल में यूपी पुलिस को 60 हजार नए पुलिसकर्मी मिलेंगे।

श्रीरामजन्मभूमि मन्दिर के पुजारी सत्येन्द्रदास के निधन पर मोदी ने जताया शोक

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अयोध्याधाम में रामजन्मभूमि मन्दिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येन्द्रदास जी महाराज के निधन पर बुधवार को गहरा दुरूख प्रकट किया और सामाजिक तथा आध्यात्मिक क्षेत्र में उनके 'अमूल्य योगदान' का स्मरण किया। श्री मोदी ने शोक संदेश में पुजारी श्री सत्येन्द्रदास जी के अनुयायियों और परिजनों के प्रति संवेदना भी जतायी है। विदेश यात्रा कर रहे श्री मोदी ने आज सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, "राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी महंत सत्येन्द्रदास जी के देहावसान से अत्यंत दुख हुआ है। धार्मिक अनुष्ठानों और शास्त्रों के ज्ञाता रहे महंत जी का पूरा जीवन भगवान श्री राम की सेवा में समर्पित रहा। देश के आध्यात्मिक और सामाजिक जीवन में उनके अमूल्य योगदान को हमेशा श्रद्धापूर्वक स्मरण किया जाएगा। ईश्वर से प्रार्थना है कि शोक की इस घड़ी में उनके परिजनों और अनुयायियों को संबल प्रदान करे। ओम शांति!"

'इंडियाज गॉट लेटेंट' शो में आपत्तिजनक टिप्पणी पर रणबीर इलाहाबादिया समेत सात को महिला आयोग का नोटिस

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय महिला आयोग ने सोशल मीडिया वेबसाइट यू-ट्यूब पर प्रसारित 'इंडियाज गॉट लेटेंट' शो में आपत्तिजनक और अश्लील टिप्पणियां प्रसारित करने पर नोटिस जारी किया है और जजों के पैनल में शामिल पांच सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर और यू-ट्यूबर समेत सात लोगों को व्यक्तिगत रूप से 17 फरवरी को अपने मुख्यालय में पेश होने के निर्देश दिये हैं। महिला आयोग ने बुधवार को यहां बताया कि 'इंडियाज गॉट लेटेंट' शो के जिस एपिसोड में की गयी टिप्पणियों को लेकर विवाद उत्पन्न हुआ है, उसके जजों के पैनल में शामिल सभी लोगों को कल इस आशय के नोटिस जारी किये गये। नोटिस के अनुसार महिला आयोग की अध्यक्ष विजया राहटकर ने यू-ट्यूब पर प्रसारित इन आपत्तिजनक और अश्लील टिप्पणियों पर गहरी चिंता प्रकट की है। इस शो में शामिल रणवीर इलाहाबादिया, समय रैना, अपूर्वा मखीजा, जसप्रीत सिंह और आशीष चंचलानी तथा निर्माता तुषार पूजारी और सौरभ बोथरा को नोटिस जारी किये गये हैं। नोटिस में कहा गया है कि शो में प्रसारित की गयी टिप्पणियों पर तीखी प्रतिक्रिया सामने आयी है।

हैदराबाद में मंदिर के अंदर मांस मिलने के बाद तनाव, भाजपा और बीआरएस ने कांग्रेस सरकार पर खड़े किए सवाल

हैदराबाद, एजेंसी। हैदराबाद के एक मंदिर परिसर में मांस के टुकड़े पाए जाने के बाद तनाव फैल गया। टप्पाचबूतरा में जिर्रा हनुमान मंदिर के अधिकारियों ने कहा कि पुजारी को मांस के टुकड़े मिले और उन्होंने समिति के सदस्यों को सूचित किया। तप्पाचबूतरा

इलाके में जिर्रा हनुमान मंदिर के अधिकारियों के अनुसार, पुजारी ने मांस के टुकड़े देखे और समिति के सदस्यों को सतर्क कर दिया। जैसे ही खबर फैली, मंदिर के बाहर भीड़ जमा हो गई, स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी इस मुद्दे को उठाया। बीजेपी विधायक राजा सिंह ने आरोप लगाया कि हैदराबाद में ऐसी हरकतें आम हो गई हैं। उन्होंने कहा कि पहले भी इसी तरह की घटनाएं हो चुकी हैं। पुलिस हमेशा यही कहती है कि मांस कोई कुत्ता या बिल्ली लेकर आया था। यह उनका नियमित स्पष्टीकरण बन गया है। हम कड़ी कार्रवाई की मांग करते हैं। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि उनकी जांच के निष्कर्षों के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

'पता नहीं किस ग्रह पर रहती हैं...'

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पर प्रियंका गांधी ने बोला हमला

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने मंगलवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की उस टिप्पणी के लिए उन पर हमला बोला कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तहत भारत में मुद्रास्फीति यूपीए सरकार की तुलना में काफी कम है। प्रियंका गांधी ने कहा कि मुझे नहीं पता कि वह किस ग्रह पर रह रही हैं। वह कह रही हैं कि कोई मुद्रास्फीति नहीं है, बेरोजगारी नहीं बढ़ी है, कीमतों में कोई वृद्धि नहीं हुई है। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने इसपर पलटवार किया है। अठावले ने कहा कि निर्मला सीतारमण ने देश के सामने हकीकत पेश की। उन्होंने बताया कि पिछले 10 साल में भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधार हुआ है। उन्होंने आंकड़ों के साथ हकीकत पेश की। विपक्ष का दावा है कि गैर-बीजेपी राज्यों को कुछ नहीं मिला। लेकिन निर्मला सीतारमण ने जो आंकड़े पेश किए उससे पता चला कि हर राज्य को फायदा हुआ है। अठावले ने कहा कि दुनिया देख रही है कि हमारी अर्थव्यवस्था 5वें स्थान पर पहुंच गई है। गांधी की टिप्पणी लोकसभा में केंद्रीय बजट 2025 पर चर्चा के दौरान निर्मला सीतारमण के जवाब में आई। सीतारमण ने कहा, "मुद्रास्फीति प्रबंधन इस सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। कुल मिलाकर, खुदरा मुद्रास्फीति 2-6 प्रतिशत के अधिसूचित सहनशीलता बैंड के भीतर है।" उन्होंने बताया कि यूपीए के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के दूसरे कार्यकाल के दौरान खाद्य मुद्रास्फीति ष्चौंकाने वाली 11 प्रतिशतष थी। इसके बाद सीतारमण ने कहा कि एनडीए सरकार के तहत खाद्य मुद्रास्फीति 2014 से 2024 तक घटकर 5.3 प्रतिशत हो गई, उन्होंने कहा कि यूपीए के समय में देखी गई 10 प्रतिशत की दोहरे अंक वाली हेडलाइन मुद्रास्फीति अब "नहीं" है।

संत रविदास जयंती पर सीएम योगी ने किया नमन

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ के रविदास मंदिर, जाफरखेड़ा, कानपुर रोड पर संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती पर भव्य कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक शामिल हुए। सीएम योगी ने संत रविदास जी की शिक्षाओं को नमन करते हुए कहा कि वे आत्मशुद्धि और कर्म को सर्वोच्च स्थान देते थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संत रविदास की जन्मभूमि को भव्य स्वरूप दिया गया है।सीएम योगी ने आगे कहा संत रविदास कर्म और भक्ति के प्रतीक हैं। काशी में संत रविदास जी की भव्य प्रतिमा और पार्क बनाए गए हैं। उनका जीवन समाज को एकजुट करने और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। इस कार्यक्रम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी, जिन्होंने भजन-कीर्तन और सत्संग में भाग लिया।

अदालत ने पूर्व सांसद सज्जन कुमार को 1984 दंगे के एक और मामले में दोषी ठहराया

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार को राजधानी की एक विशेष अदालत ने वर्ष1984 के सिख विरोधी दंगों के दौरान पश्चिमी दिल्ली के राज नगर में उग्र भीड़ के हमले में पिता-पुत्र हत्या के मामले में बुधवार को दोषी करार दिया। दिल्ली की एक विशेष अदालत की न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने पहले से ही वर्ष1984 के दंगे के एक अन्य मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे पूर्व कांग्रेस सांसद को दोषी ठहराने वाला यह फैसला सुनाया। अदालत ने फैसला सुनाते हुए कहा, "आरोपी को दोषी ठहराया गया है। अगली सुनवाई की तारीख पर सज़ा पर आदेश के लिए सूचीबद्ध करें।" अदालत ने तब के बाहरी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र के कई बार सांसद रहे सज्जन कुमार की सजा पर बहस के लिए 18 फरवरी की तारीख मुकर्रर की है। कावेरी बावेजा की विशेष अदालत संबंधित पक्षों की दलीलें और सबूतों पर गौर करने के बाद इस निष्कर्ष पर पहुंची कि राज नगर निवासी एस जसवंत सिंह और उनके बेटे एस तरुण दीप सिंह की सज्जन कुमार के नेतृत्व में हजारों लोगों की उग्र भीड़ ने हत्या कर दी थी। उनके खिलाफ वर्ष 2021 में भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या), 147 (दंगा), 148 (घातक हथियार से लैस होकर दंगा), 149 (समान उद्देश्य के लिए किए गए अपराध के लिए गैरकानूनी सभा का प्रत्येक सदस्य दोषी), 308 (गैर इरादतन हत्या का प्रयास), 323 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना), 395 (डकैती) के अलावा अन्य आरोपों के तहत आरोप तय किए गए थे।

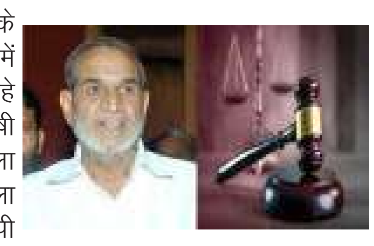

एयर इंडिया के विमान को बम से उड़ाने की धमकी मिली, जांच में जुटी पुलिस

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्नाटक के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एयर इंडिया की एक उड़ान को बम से उड़ाने की धमकी मिली। एएनआई की रिपोर्ट के मुताबिक, धमकी एक ई-मेल के जरिए दी गई है। उत्तर-पूर्व बेंगलुरु के डीसीपी साजिथ वीजे ने कहा कि केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे

पर एयर इंडिया की एक उड़ान को दो दिन पहले बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। इससे पहले आज, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आधिकारिक विदेश यात्रा से पहले उनके विमान को एक आतंकी कॉल मिली। इस मामले में मुंबई पुलिस ने चेंबूर इलाके से एक शख्स को पकड़ा है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, मामले की जानकारी मिलते ही एफआईआर दर्ज कर ली गई है और जांच की जा रही है. पुलिस मेल की जांच कर रही है और उसके स्रोत का पता लगा रही है। पीएम मोदी के विमान को धमकी भरे कॉल के मामले में मुंबई पुलिस ने बुधवार को चेंबूर से एक शख्स को गिरफ्तार किया है। मुंबई पुलिस ने कहा, "11 फरवरी को मुंबई पुलिस नियंत्रण कक्ष में एक कॉल आई थी जिसमें चेतावनी दी गई थी कि आतंकवादी पीएम मोदी के विमान पर हमला कर सकते हैं क्योंकि वह विदेश की आधिकारिक यात्रा पर जा रहे थे। सूचना की गंभीर प्रकृति को देखते हुए, पुलिस ने अन्य एजेंसियों को सूचित किया और जांच शुरू की।" सोमवार सुबह अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरे एक विमान में बम की धमकी भरा पत्र मिलने के बाद एक अज्ञात व्यक्ति पर मामला दर्ज किया गया। एफआईआर के अनुसार, किसी ने टिशू पेपर पर "बम यहां है" लिखा था, जिसे इंडिगो की फ्लाइट की सीट के नीचे छोड़ दिया गया था।

एलओसी के पास दो जवानों की शहादत पर भड़का अमित शाह का गुस्सा

आतंकवाद को पूरी तरह उखाड़ फेंकने का निर्देश दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के अखनूर सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास मंगलवार को संदिग्ध आतंकवादियों की ओर से किए गए एक आईईडी विस्फोट में सेना के कैप्टन समेत दो जवान शहीद हो गए, जबकि एक अन्य घायल हो गया। हमले के तुरंत बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सुरक्षा बलों को आतंकवाद को पूरी तरह उखाड़ फेंकने के लिए कई निर्देश दिये हैं। हम आपको बता दें कि शहीद सैनिकों की पहचान कैप्टन करमजीत सिंह बख्शी और नायक मुकेश के रूप में हुई है। यह हमला ऐसे समय में हुआ, जब सेना की जम्मू स्थित 'व्हाइट नाइट कॉर्प्स' इकाई के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) लेफ्टिनेंट जनरल नवीन सचदेवा ने सोमवार को राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा पर "शत्रुतापूर्ण गतिविधियों" का जायजा लिया था। सेना ने आईईडी विस्फोट में दो जवानों के शहीद होने की पुष्टि की और कहा, "हमारे जवानों ने क्षेत्र की घेराबंदी कर दी है और तलाश अभियान जारी है।" अधिकारियों ने बताया कि जवान भट्टल इलाके में गश्त कर रहे थे, तभी दोपहर तीन बजकर 50 मिनट पर एक अग्रिम चौकी के पास शक्तिशाली विस्फोट हुआ और वे इसकी चपेट में आ गए। उन्होंने बताया कि घायल जवानों को अस्पताल ले जाया गया, जहां एक कैप्टन समेत दो सैन्यकर्मियों की मौत हो गई। अधिकारियों के मुताबिक, विस्फोट में एक अन्य जवान घायल हो गया और उसकी हालत "खतरे से बाहर" बताई जा रही है। सेना की जम्मू स्थित 'व्हाइट नाइट कॉर्प्स' इकाई ने दोनों जवानों के सर्वोच्च बलिदान को सलाम किया। उधर दोनों जवानों के परिजनों ने कहा कि हमें शहादत पर गर्व है और हम चाहते हैं कि आतंकवादियों को कतई बख्शा नहीं जाये। इस बीच, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार आतंकवाद मुक्त जम्मू-कश्मीर के लिए प्रतिबद्ध है। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा परिदृश्य की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए शाह ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को कड़ी निगरानी, सीमा ग्रिड को मजबूत करने और निगरानी तथा सरहद की हिफाज़त के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके अंतरराष्ट्रीय सीमा से घुसपैठ पूरी तरह से रोकने का निर्देश दिया। उन्होंने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) को केंद्र शासित प्रदेश में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ तालमेल जारी रखने का भी निर्देश दिया। गृह मंत्री ने सीआरपीएफ की शीतकालीन कार्य योजना की समीक्षा की और सुरक्षा बल के शीर्ष अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सुनिश्चित करें कि क्षेत्र में वर्चस्व में कोई कमी न रहे तथा जम्मू क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करें और ऊंचे स्थानों पर अपना दबदबा बनाए रखें। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार श्आतंकवाद मुक्त जम्मू-कश्मीरश के लिए प्रतिबद्ध है।

एक्स पर नंबर वन ट्रेंड बना रहा माघ पूर्णिमा महाकुंभ, आकाश से हो रही थी पुष्पवर्षा

महाकुंभ नगर (प्रयागराज)। माघ पूर्णिमा के पावन अवसर पर दिव्य और भव्य नजारा सोशल मीडिया पर छाया रहा। श्रद्धालुओं की अपार भीड़ और आध्यात्मिक उल्लास के बीच माघ पूर्णिमा महाकुंभ एक्स (ट्विटर) पर नंबर वन ट्रेंड करता रहा।

माघ पूर्णिमा के पावन अवसर पर दिव्य और भव्य नजारा सोशल मीडिया पर छाया रहा। श्रद्धालुओं की अपार भीड़ और आध्यात्मिक उल्लास के बीच माघ पूर्णिमा महाकुंभ एक्स (ट्विटर) पर नंबर वन ट्रेंड करता रहा। इस पवित्र अवसर पर आए लोगों ने अपने अनुभव साझा किए, जिससे पूरे देश में उत्साह और भक्ति का माहौल बन गया।

गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम में डुबकी लगाने के लिए देश भर से श्रद्धालु पहुंचे। स्नान के दौरान 'हर हर गंगे' और 'जय श्रीराम' के गगनभेदी जयघोष से पूरा महाकुंभ क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। इस अद्भुत नजारे को श्रद्धालुओं ने अपने कैमरों में कैद कर सोशल मीडिया पर साझा किया है। हेलीकॉप्टर से होने वाली पुष्पवर्षा ने श्रद्धालुओं के मन को प्रफुल्लित कर दिया।

संगम के जल में आस्था की डुबकी लगाते हुए श्रद्धालुओं ने अपने परिवार और समाज की खुशहाली की कामना की। सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीरों और वीडियो ने देश–विदेश के लोगों को भी इस दिव्य आयोजन से जोड़ दिया है।

माघी पूर्णिमा पर संगम तट पर भक्ति की लहरों में डूबने के लिए श्रद्धालु पौ फटने से पहले ही आतुर हो उठे। महाकुंभ के पांचवें स्नान पर्व पर श्रद्धालु रात से पुण्य की डुबकी लगाने लगे थे। हर–हर महादेव का जयकारा। ढोल–नगाड़ों की थाप। झूमते–गाते हुए भक्तों का रेला संगम जाने वाले हर मार्ग पर दिखाई दे रहा था।

माघी पूर्णिमा के स्नान पर शहर भर में श्रद्धालुओं के लिए भंडारे सजाए गए। स्नान करके लौटने वालों और स्नान के लिए जा रहे श्रद्धालुओं का प्रयाग की जनता ने अतिथि देवो भवरू के भाव से स्वागत किया। संगम जाने वाले मार्ग से जंक्शन के रास्तों पर जगह–जगह खाने–पीने का स्टाल लगाकर श्रद्धालुओं की सेवा की गई। निशुल्क भोजन, चाय, पानी के साथ ही नाश्ते का भी इंतजाम किया गया था। बुधवार को भोर से ही शहर में जगह–जगह भंडारे शुरू हो गए।

चाय, पानी के साथ ही स्नान के लिए पहुंच रहे श्रद्धालुओं को नाश्ते का भी इंतजाम कराया गया। बंगाली सोशल एंड कल्चरल एसोसिएशन के सदस्यों ने इंडियन प्रेस के समीप एवं विज्ञान परिषद के बगल में भंडारा लगाया। सुबह से लेकर शाम तक महाकुंभ मेला से स्नान कर लौटते हुए स्नानार्थियों को भंडारे का प्रसाद ग्रहण करवाया गया। लोग प्रसाद खाकर तृप्त हो रहे थे और जय श्रीराम, गंगा मैया की जय का नारा लगाते हुए वापस जा रहे थे। कीडगंज, बैरहना चौराहा, कोठा पार्चा, रामबाग, सिविल लाइंस में भी जगह–जगह भंडारे के लिए स्टाल लगाए गए थे। स्वयंसेवक श्रद्धालुओं को रोक–रोकर भोजन व नाश्ता करा रहे थे।

प्रयागराज में एक बार फिर गंगा जमुनी तहजीब नजर आई। माघ पूर्णिमा पर समाज में एकता का संदेश देने के लिए त्रिवेणी स्नान कर लौट रहे श्रद्धालुओं पर मुस्लिम समाज के लोगों ने फूल बरसाकर स्वागत किया। बुधवार को काटजू रोड स्थित अब्दुल्लाह मस्जिद के बाहर जुटे मुस्लिम समाज के लोगों ने श्रद्धालुओं पर फूल बरसाकर एकता का संदेश दिया। इस दौरान मुस्लिम समाज के लोगों ने स्नानार्थियों के लिए खाने–पीने का भी इंतजाम किया था। इस मौके पर तसलीमउद्दीन, हसीब अहमद, अफसर महमूद, रियाजुल हक, मो. फैजी, शिराज अहमद शामिल रहे।

माघी पूर्णिमा स्नान पर्व पर महाकुंभ क्षेत्र में हर घाट पर श्रद्धालुओं की भीड़ रही। हालांकि, जोनल प्लान लागू करने का नतीजा रहा कि संगम तथा झूंसी की तरफ ऐरावत घाट पर अपेक्षाकृत दबाव कम रहा। संगम स्नान के लिए लगातार भीड़ बनी रही। ऐसे में माघी पूर्णिमा स्नान पर दो करोड़ लोगों के आने की उम्मीद की जा रही थी और ऐसा ही नजारा दिखा। मंगलवार रात से ही भारी संख्या में श्रद्धालु आने लगे थे लेकिन बुधवार की सुबह हुजूम उमड़ पड़ा। इसे देखते हुए डायवर्जन एवं जोनल प्लान को पूरी तरह से लागू किया गया।

वाराणसी की तरफ से आने वाले वाहनों को अंदावा की तरफ ही रोक दिया गया था। उधर, से आने वाले लोगों को छतनाग घाट की तरफ मोड़ दिया गया। इसी तरह से झूंसी रेलवे एवं बस स्टेशन से आने वाले श्रद्धालुओं को टीकरमाफी मार्ग से मोड़कर मेला क्षेत्र में भेजा रहा था। साथ ही इनसे नजदीकी गंगा घाट पर स्नान की अपील की जाती रही। इस बाबत जगह–जगह बैरिकेडिंग भी की गई थी।

इसी तरह की व्यवस्था अन्य मार्गों से आने वाले स्नानार्थियों के लिए भी की गई थी। कंट्रोल रूम से भी लगातार अपील की जाती रही कि नजदीकी घाट पर ही स्नान करें। इसका नतीजा रहा कि गंगा के दोनों तट पर करीब 12 किमी में बने घाटों पर भीड़ बंट गई। इससे संगम तथा झूंसी की तरफ ऐरावत घाट पर बहुत दबाव नहीं दिखा। इसके अलावा घाटों पर सुरक्षा कर्मियों के अलावा गंगा दूतों, नागरिक सुरक्षा कोर समेत अन्य संस्थाओं के सदस्य भी मौजूद रहे जो स्नानार्थियों को स्नान के बाद रुकने नहीं दे रहे थे। इससे भी भीड़ निकलती गई।

कुंबले ने संगम में लगाई डुबकी, सोशल मीडिया पर साझा की तस्वीरें

महाकुंभ नगर (प्रयागराज)। महाकुंभ में माघी पूर्णिमा के मौके पर पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कोच अनिल कुंबले ने त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाई। उनकी पत्नी चेतना रामतीर्था भी इस आध्यात्मिक यात्रा में उनके साथ रहीं। महाकुंभ में माघी पूर्णिमा

के मौके पर पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कोच अनिल कुंबले ने त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाई। उनकी पत्नी चेतना रामतीर्था भी इस आध्यात्मिक यात्रा में उनके साथ रहीं। कुंबले ने संगम स्नान के बाद अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा कीं। उन्होंने अपनी तस्वीरों के साथ सिर्फ एक शब्द लिखा और वो था ब्लेस्ड (आशीर्वाद)। इससे उनका तात्पर्य यही था कि त्रिवेणी संगम में स्नान कर उन्हें भी पुण्य की प्राप्ति हुई और तीर्थराज प्रयागराज का आशीष मिला।

अपनी फिरकी से विरोधी बल्लेबाजों को पवेलियन की राह दिखाने वाले अनिल कुंबले मंगलवार को ही प्रयागराज पहुंच गए थे। हालांकि, त्रिवेणी स्नान के लिए उन्होंने माघ पूर्णिमा का पावन दिन चुना। इस दिन महाकुंभ में वीवीआईपी प्रोटोकॉल जारी नहीं होता। इसके बावजूद वह सामान्य श्रद्धालु की तरह नाव पर सवार होकर त्रिवेणी संगम पहुंचे और संगम में स्नान किया। इस दौरान उनकी धर्मपत्नी चेतना भी मौजूद रहीं। दोनों ने सूर्य को अर्घ्य दिया और पूरे विधि विधान से पूजा अर्चना कर पुण्य डुबकी लगाई। उन्होंने नाव पर सवार होकर सेल्फी भी अपलोड की और माघ पूर्णिमा पर पूर्ण चंद्रमा की छवि भी अपने प्रशंसकों के साथ साझा की। इस दिव्य आयोजन का हिस्सा बने कुंबले महाकुम्भ की भव्यता और आध्यात्मिक ऊर्जा से अभिभूत नजर आए।

मुस्लिम से सनातनी बने वसीम रिजवी उर्फ जितेंद्र नारायण ने संगम में लगाई डुबकी

प्रयागराज। वसीम रिजवी ने 2021 में इस्लाम छोड़कर हिंदू धर्म अपना लिया था। अपना नाम जितेंद्र नारायण सिंह सेंगर रख लिया है। उन्होंने मंगलवार को प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगाई। इसके बाद उन्होंने कहा कि महाकुंभ में स्नान करने के बाद उन्हें बहुत खुशी महसूस हो रही है।

उत्तर प्रदेश शिया वक्फ बोर्ड के पूर्व चेयरमैन वसीम रिजवी मंगलवार को महाकुंभ पहुंचे। उन्होंने संगम में आस्था की डुबकी लगाई। कहा कि संगम स्नान करने के बाद बहुत खुशी मिल रही है। उन्होंने घोषणा की कि अपनी खुशी से इस्लाम धर्म छोड़कर सनातन धर्म अपनाने वालों का स्वागत है। वह एक संगठन तैयार कर रहे हैं। जिसमें सनातन धर्म में आने वाले लोगों की आर्थिक मदद की जाएगी। कारोबार शुरू करने में भी सहायता की जाएगी। वसीम रिजवी ने 2021 में इस्लाम छोड़कर हिंदू धर्म अपना लिया था। अपना नाम जितेंद्र नारायण सिंह सेंगर रख लिया है। उन्होंने मंगलवार को प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगाई। इसके बाद उन्होंने कहा कि महाकुंभ में स्नान करने के बाद उन्हें बहुत खुशी महसूस हो रही है।

संगम में डुबकी लगाने के बाद जितेंद्र नारायण सिंह सेंगर ने मीडिया से बातचीत में कहा कि आज प्रयागराज के महाकुंभ में मैंने स्नान किया, मुझे बहुत खुशी महसूस हुई। मैं इस पवित्र भूमि से पूरे देश के मुसलमानों से अनुरोध करता हूं कि वो सनातन धर्म में घर वापसी पर विचार करें। मैं अपने मित्रों के सहयोग से एक संगठन बना रहा हूं, उसके जरिए सनातन धर्म में वापसी करने वाले मुसलमान परिवारों को हर महीने तीन हजार रुपये की मदद तब तक दी जाएगी, जब तक कि वो पूरी तरह से सनातन धर्म में शिफ्ट नहीं हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि इस्लाम छोड़कर जो लोग सनातन में आएंगे और अपना कारोबार शुरू करना चाहेंगे, उन्हें छोटे–मोटे कारोबार से जोड़ा जाएगा।

माघी पूर्णिमा पर 38 प्रशासनिक अफसरों की तैनाती रही कारगर, करोड़ों की भीड़ के बावजूद आसान रही राह

महाकुंभ नगर (प्रयागराज)। महाकुंभ पर प्रशासनिक व्यवस्था दुरुस्त होने के कारण भीड़ बढ़ने के बावजूद यातायात सामान्य रहा। बुधवार को माघी पूर्णिमा पर पूरे मेले क्षेत्र को नो व्हीकल जोन घोषित किया गया है। संगम सहित सभी 42 घाटों पर भीड़ का दबाव कम रहा और लोगों ने सुरक्षित तरीके से स्नान किया। चप्पे–चप्पे पर फोर्स तैनात रही।

माघी पूर्णिमा स्नान पर्व पर महाकुंभ क्षेत्र में आस्था उमड़ी। हर घाट पर श्रद्धालुओं की भीड़ रही। हालांकि, जोनल प्लान लागू करने का नतीजा रहा कि संगम तथा झूंसी की तरफ ऐरावत घाट पर अपेक्षाकृत दबाव कम रहा। संगम स्नान के लिए लगातार भीड़ बनी हुई है। ऐसे में माघी पूर्णिमा स्नान पर दो करोड़ लोगों के आने की उम्मीद की जा रही थी और ऐसा ही नजारा दिखा। मंगलवार रात से ही भारी भीड़ आने लगी थी और बुधवार की सुबह तो रेला उमड़ा। इसे देखते हुए डायवर्जन एवं जोनल प्लान को पूरी तरह से लागू किया गया।

वाराणसी की तरफ से आने वाले वाहनों को अंदावा की तरफ ही रोक दिया गया था। उधर, से आने वाले लोगों को छतनाग घाट की तरफ मोड़ दिया गया। इसी तरह से झूंसी रेलवे एवं बस स्टेशन से आने वाले श्रद्धालुओं को टीकरमाफी मार्ग से मोड़कर मेले में भेजा रहा था। साथ ही इनसे नजदीकी गंगा घाट पर स्नान की अपील की जाती रही। इस बाबत जगह–जगह बेरिकेडिंग भी की गई थी।

इसी तरह की व्यवस्था अन्य मार्गों से आने वाले स्नानार्थियों के लिए भी की गई थी। कंट्रोल रूम से भी लगातार अपील की जाती रही कि नजदीकी घाट पर ही स्नान करें। इसका नतीजा रहा कि गंगा के दोनों तट पर करीब 12 किमी में बने घाटों पर भीड़ बंट गई। इससे संगम तथा झूंसी की तरफ ऐरावत घाट पर बहुत दबाव नहीं दिखा। इसके अलावा घाटों पर सुरक्षा कर्मियों के अलावा गंगा दूतों, नागरिक सुरक्षा कोर समेत अन्य संस्थाओं के सदस्य भी मौजूद रहे जो स्नानार्थियों को स्नान के बाद रुकने नहीं दे रहे थे। इससे भी भीड़ निकलती गई।

कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने लगाई संगम में डुबकी, मौनी अमावस्या हादसे के मृतकों को दी श्रद्धांजलि

महाकुंभ नगर (प्रयागराज)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने माघी पूर्णिमा पर संगम में डुबकी लगाई। उनके साथ बेटे पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह एवं उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री मुकुंद तिवारी ने भी स्नान किया। इसी तरह यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री जगदंबिका पाल भी परिवार के साथ संगम स्नान के लिए पहुंचे।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने माघी पूर्णिमा पर संगम में डुबकी लगाई। उनके साथ बेटे पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह एवं उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री मुकुंद तिवारी ने भी स्नान किया। दिग्विजय सिंह ने ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का भी आशीर्वाद लिया।

दिग्विजय सिंह को दो दिन पहले ही संगम स्नान के लिए आना था लेकिन जाम की वजह से उन्होंने कार्यक्रम स्थगित कर दिया था। इसी क्रम में बुधवार को वह आए। कांग्रेस नेता ने संगम में डुबकी लगाने के साथ मौनी अमावस्या को हुए हादसे के मृतकों के प्रति संवेदना प्रकट की। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुंभ में आने वालों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है।

श्रद्धालुओं को कई किमी पैदल चलना पड़ा। यदि इतने लोगों को बुलाया गया है तो व्यवस्था भी होनी चाहिए थी। दिग्विजय सिंह ने कहा कि महाकुंभ आस्था का पर्व है। वह हर बार स्नान के लिए आते रहे हैं। महाकुंभ जैसे आयोजन को लेकर किसी तरह की राजनीति ठीक नहीं है।

नॉर्वे के पूर्व जलवायु एवं पर्यावरण मंत्री एरिक सोलहेम महाकुंभ पहुंचे। उन्होंने इसे अद्वितीय और जीवन में एक बार मिलने वाला अनुभव बताया। उन्होंने इसे न केवल विश्व का सबसे बड़ा आध्यात्मिक आयोजन बताया बल्कि भव्य आयोजन की प्रशंसा करते हुए कहा कि मानव इतिहास में इससे बड़ा कोई आयोजन कभी नहीं हुआ, न अमेरिका में, न यूरोप में, न चीन में और न ही विश्व के किसी अन्य कोने में।

नॉर्वे के पूर्व जलवायु एवं पर्यावरण मंत्री एरिक सोलहेम ने कहा कि अब तक 48 करोड़ से अधिक श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। ये श्रद्धालु यहां देवों का आशीर्वाद लेने, आध्यात्मिक और भावनात्मक यात्रा पर निकलने, मित्रता को प्रगाढ़ करने तथा परिवार के साथ पर्व मनाने के लिए जुटे हैं। यह मेरे लिए जीवन में एक बार होने वाला अनुभव था। उन्होंने कहा कि ये मेरे लिए अविस्मरणीय अनुभव है और मुझे यहां आकर बहुत खुशी हुई। पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने माघी पूर्णिमा के मौके पर अपने परिवार के सदस्यों के साथ बुधवार की सुबह संगम में डुबकी लगाई।

संगम में डूबी सियासी कड़वाहट

भाजपा के अलावा अन्य दलों के नेताओं ने भी त्रिवेणी में किया स्नान

प्रयागराज। संगम में सियासी कड़वाह डूब गई। सभी ने डुबकी लगाई। भाजपा के अलावा अन्य दलों के कई वरिष्ठ नेताओं ने भी त्रिवेणी में स्नान किया। हालांकि, जाम के कारण कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह स्नान से वंचित रह गए।

संगम में डुबकी लगाने के लिए हर कोई लालायित दिख रहा है। इसमें सियासी कड़वाहट भी डूब गई है। सत्ता पक्ष से लेकर विपक्ष तक, आम जन से लेकर वीवीआईपी तक, हर कोई संगम में आस्था की डुबकी लगाने के लिए उत्सुक दिख रहा है।

विपक्ष के नेताओं की जुबान पर भले ही विरोध रहा हो, लेकिन मन में उत्साह लेकर अधिकतर नेताओं को संगम की शरण में आते देखा जा रहा है। हालांकि, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मध्य प्रदेश

के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को जाम की वजह से निराशा मिली। अफसरों के अनुसार, महाकुंभ में स्नान के लिए वह भी आ रहे थे लेकिन श्रद्धालुओं के जनसमुद्र में फंसकर रह गए। इसकी वजह से उन्हें बीच रास्ते से ही लौटना पड़ा।

इनके अलावा समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, कर्नाटक के डिप्टी सीएम और वहां के कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार भी पवित्र त्रिवेणी में स्नान करने पहुंचे। डीके शिवकुमार के साथ उनकी पत्नी उषा थीं। यूपी विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय भी यहां आने से खुद को न रोक सके।

इससे पहले, दुनिया के सबसे बड़े जन समागम में स्नानार्थियों के उत्साह के सामने प्रशासन के अनुमान छोटे साबित हो रहे हैं। मंगलवार को भी सवा करोड़ से अधिक लोगों ने स्नान किया और यह सिलसिला लगातार चार दिनों से कायम है। इसका नतीजा है कि माघी पूर्णिमा से एक दिन पहले ही महाकुंभ में कुल स्नानार्थियों की संख्या 46 करोड़ पार कर गई। शनिवार से ही संगम में डुबकी के लिए भारी भीड़ आ रही है। मंगलवार को भी यह सिलसिला जारी रहा। हर प्रमुख मार्गों पर स्नानार्थियों का रेला रहा। भीड़ को देखकर यही लग रहा मानो हर कोई संगम की ओर आ रहा है या आना चाहता है। मेला क्षेत्र में काली, त्रिवेणी, नागवासुकि, बांध समेत सभी मार्गों पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ आने लगी जो देर रात तक की बनी रही। इसका नतीजा रहा कि संगम और ऐरावत ही नहीं मेला क्षेत्र के ज्यादातर घाटों पर स्नानार्थियों का लगातार दबाव बना रहा। मेला प्रशासन से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार शाम आठ बजे तक 1.34 करोड़ लोग स्नान कर चुके थे। इसके बाद भी स्नानार्थियों के आने का क्रम जारी था। साथ ही सभी घाटों पर स्नानार्थियों की भीड़ रही। वहीं सोमवार तक 44.74 करोड़ लोगों ने स्नान किया था। इस तरह से मंगलवार को ही कुल स्नानार्थियों की संख्या 46 करोड़ को पार कर गई।

श्रद्धालुओं ने योगी के प्रयासों को सराहा

प्रयागराज। पश्चिम बंगाल से आए एक श्रद्धालु ने कहा कि महाकुंभ से सीख लेकर गंगासागर मेले में भी पश्चिम बंगाल सरकार को इसी प्रकार की व्यवस्थाएं करनी चाहिए। वहीं, युवा श्रद्धालुओं ने महाकुंभ स्नान को अमिट स्मृति बताते हुए इसे सफल बनाने के लिए सीएम योगी का तहेदिल से आभार जताया। देश भर से त्रिवेणी संगम में माघ पूर्णिमा के अवसर पर स्नान करने आए श्रद्धालुओं ने सीएम योगी द्वारा किए गए प्रबंध की प्रशंसा की है। पश्चिम बंगाल से आए एक श्रद्धालु ने तो यहां तक कह दिया कि महाकुंभ से सीख लेकर गंगासागर मेले में भी पश्चिम बंगाल सरकार को इसी प्रकार की व्यवस्थाएं करनी चाहिए। वहीं, युवा श्रद्धालुओं ने महाकुंभ स्नान को अमिट स्मृति बताते हुए इसे सफल बनाने के लिए सीएम योगी का तहेदिल से आभार जताया।

गोहपुर में अमर शर्मा को मिला 'नेताजी स्मृति पुरस्कार 2025'

विश्वनाथ। गोहपुर के अमर शर्मा को वर्ष 2025 के लिए नेताजी स्मृति पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार पत्र उन्हें साहित्य और पत्रकारिता में उनकी योगदान के लिए मिला है। फिलहाल उन्हें यह सम्मानपत्र ईमेल के जरिए प्राप्त हुआ है और मूल पत्र संबंधित संस्थान डाक द्वारा भेजना का

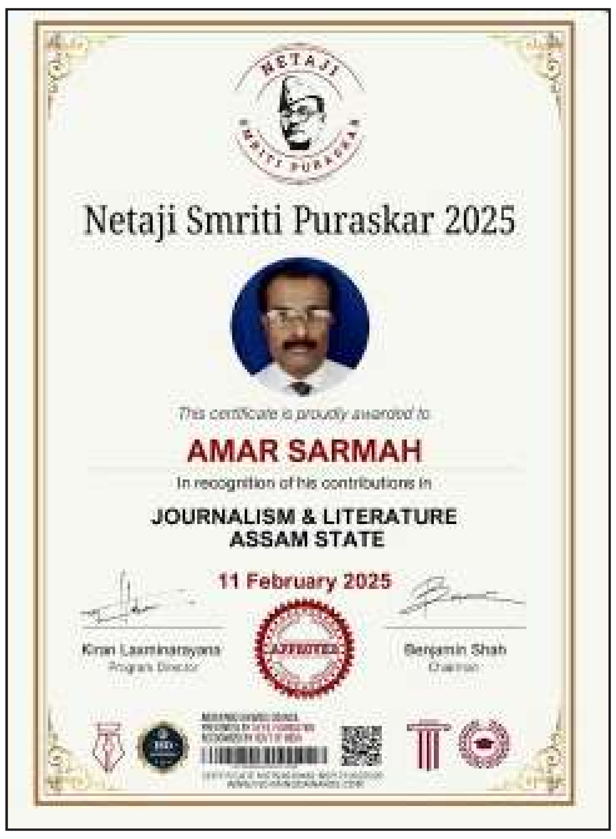
NETAJI SMRITI PURASKAR

Netaji Smriti Puraskar 2025

This certificate is proudly awarded to

AMAR SARMAH

In recognition of his contributions in

JOURNALISM & LITERATURE
ASSAM STATE

11 February 2025

Kiran Laxminarayana
Program Director

Benjamin Shah
Chairman

वचन दिया है। अमर शर्मा अपने क्षेत्र से वर्ष 2013 से ही पत्रकारिता से जुड़े हुए है। वे असमिया अंग्रेजी और हिन्दी भाषाओं में राष्ट्रीय और क्षेत्रीय समाचार पत्रों में खबर भेजते रहे है। वे अपने छात्र जीवन से ही लेख कहानी और कविता लिखते रहे है। लाचित गाथा, वीर चिलाराय, अभी तुम बेहोश हो उनके सर्वश्रेष्ठ कविता रही है। अपने इसी कविताओं में से ष्लाचित गाथाष को भारत सरकार द्वारा मनोनीत वेईल फाउंडेशन द्वारा प्रस्तावित इंडियन एनजीओ अवार्ड काउंसिल ने चयन कर अमर शर्मा को यह सम्मान पत्र प्रदान किया है। अमर शर्मा ने उन्हें इंडियन एनजीओ अवार्ड काउंसिल द्वारा दिए गए इस सम्मान के लिए काउंसिल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि काउंसिल का यह कदम सराहनीय और उत्साह वर्धक है। इस तरह के कदम से नए लेखक साहित्य प्रेमी समाज में अपने को स्थापित करने के लिए संघर्षरत लोगों को हिम्मत मिलेगा।

आटा, चीनी, मैदा, सूजी, पैकेट बंद दूध की भी किल्लत, दुकानों पर स्टॉक खत्म

प्रयागराज। प्रयागराज के मुट्ठीगंज, गाजीगंज, नखासकोहना आदि गल्ला मंडी में कई थोक व्यापारियों के यहां आटा, सूजी, मैदा, दाल आदि का स्टॉक सोमवार को ही खत्म हो गया। बीते कुछ दिनों से शहर के हाईवे पर लग रहे जाम की वजह से मालवाहक वाहनों के प्रवेश पर रोक लग गई।

महाकुंभ के चलते हाईवे पर खाद्यान्न लदे मालवाहक वाहनों को रोकने की वजह से शहर में आटा, चीनी, मैदा, सूजी, रिफाइंड आदि का संकट गहराने लगा है। हालांकि सोमवार की देर रात कुछ वाहनों को शहर में एंट्री दिए जाने से थोड़ी राहत मिली, लेकिन तमाम मोहल्लों की फुटकर दुकानों में चीनी, आटा आदि की किल्लत मंगलवार को भी बरकरार रही। व्यापारियों का कहना

है कि अगर हाईवे पर खड़े वाहनों को शहर में एंट्री नहीं दी गई तो समस्या विकराल हो सकती है। बीते कुछ दिनों से शहर के हाईवे पर लग रहे जाम की वजह से मालवाहक वाहनों के प्रवेश पर रोक लग गई। इससे तमाम तरह के खाद्यान्न लदे वाहन चाकघाट, कोखराज, अंदावा, लालगोपालगंज, मऊआइमा आदि स्थानों पर पिछले कई दिन से खड़े हैं।

शहर के मुट्ठीगंज, गाजीगंज, नखासकोहना आदि गल्ला मंडी में कई थोक व्यापारियों के यहां आटा, सूजी, मैदा, दाल आदि का स्टॉक सोमवार को ही खत्म हो गया। हालांकि सोमवार देर रात इलाहाबाद गल्ला तिलहन व्यापार मंडल के अध्यक्ष सतीश केसरवानी ने राहत आयुक्त भानुचंद्र गोस्वामी से फोन पर बात की। उसके बाद खाद्यान्न लदे कुछ वाहनों को शहर में एंट्री मिली। सतीश केसरवानी ने कहा कि खाद्यान्न लगे वाहन जो शहर के बाहर रोके गए हैं, उनके एंट्री पास बनवाने की बात अफसरों ने कही है।

फुटकर कारोबारी प्रमिल केसरवानी ने कहा कि राजापुर स्थित उनकी दुकान पर आटा, चीनी का स्टॉक मंगलवार को खत्म हो गया। वह मुट्ठीगंज माल खरीदने के लिए पहुंचे तो वहां भी उनके हाथ निराशा ही लगी। इसी तरह रामबाग में जनरल स्टोर चलाने वाले सुशील ने कहा कि दुकान में जो स्टॉक था वह धीरे–धीरे खत्म हो रहा है। बेकरी कारोबारी शाहबाज ने बताया कि मैदा के दाम थोक कारोबारियों ने बढ़ा दिया है। प्रतापगढ़, कौशाम्बी आदि जिलों के मुकाबले प्रयागराज में मैदा का दाम 350 से 400 रुपये क्विंटल बढ़ गया है।

पूर्ण आहुति के साथ समाप्त हुई श्रीमद् भागवत कथा

मथुरा श्री कृष्ण जन्मभूमि सेवा संस्थान एवं रोटरी मंडल 3110 द्वारा रोटरी मथुरा सेंट्रल एवं मथुरा के रोटरी प्रकल्पों के सहयोग से आयोजित की जा रही श्रीमद् भागवत कथा आज आठवें दिन महायज्ञ एवं पूर्णाहुति के साथ समाप्त हुई।

भागवत आचार्य जय जय श्री अभिषेक गोस्वामी द्वारा जन्म स्थान पर कहीं जा रही श्रीमद् भागवत कथा 5 फरवरी से प्रारंभ होकर आज 8 फरवरी को महायज्ञ एवं पूर्णाहुति के साथ समाप्त हो गए कथा के पहले दिन सभी लोगों ने संकल्प लिए थे उन सभी ने आज यज्ञ में अपनी पूर्णाहुति दी। यज्ञ पुजारी श्री मुकेश अवस्थी द्वारा कराया गया यज्ञ में मथुरा के सभी क्लबो के सदस्यों के अलावा रुद्रपुर काशीपुर कासगंज बरेली आगरा कानपुर अलीगढ़ आदि अनेक जिलों से आए रोटेरियन ने आहुति थी। भागवत कथा के मुख्य यजमान रमेश चंद्र अग्रवाल नीरव निमेष अग्रवाल थे। कथा के मुख्य संयोजक केडी अग्रवाल ने कथा एवं यज्ञ में पधारे सभी रोटेरियन एवं अन्य सभी का सफल आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया।

रोटरी मंडल 3110 के मंडल अध्यक्ष नीरव निमेष अग्रवाल ने श्री कृष्ण जन्म स्थान सेवा संस्थान को इस सफल आयोजन में अपनी सहभागिता एवं सहयोग के लिए विशेष धन्यवाद दिया और कहा के अगर जन्म स्थान सेवा संस्थान सहयोग नहीं करता तो इतना बड़ा आयोजन संभव ही नहीं था।सोनल अग्रवाल(मुख्य मंडल सचिव) ने बताया के जन्मभूमि के भंडार क्षेत्र पर मैं भी आज प्रसाद का आयोजन रोटरी मंडल 3110 द्वारा किया गया। नेहा अग्रवाल, रुचि अग्रवाल, प्रतिभा गर्ग आरती कपूर दीप्ति टेंटीवाला (सचिव मथुरा सेंट्रल), श्वेता अग्रवाल, दीप्ति कुलश्रेष्ठ, अजीत अग्रवाल रोहित कपूर अध्यक्ष (रोटरी मथुरा सेंट्रल), निलेश टेंटीवाला, आशुतोष शुक्ला, कृष्ण कुमार शर्मा मुन्ना भैया आदिउपस्थित थे।

रेल विद्युतीकरण के शताब्दी वर्ष पर कोर, में वृक्षारोपण का आयोजन

प्रयागराजसभारतीय रेल में इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, प्रयागराज दिनांक 03 फरवरी 2025 को उद्घाटन समारोह के पश्चात विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर रहा है।

इसी क्रम में दिनांक 12.02.2025 को श्री संजय कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबंधकध्कोर की अध्यक्षता में मुख्यालय प्रांगण में पौधारोपण अभियान का आयोजन किया गया।

इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देना और हरित पर्यावरण के अनुकूल वातावरण बनाए रखने के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना है।

इस आयोजन में श्री यतेंद्र कुमार–मुख्य प्रशासनिक अधिकारी सहित श्री एस. एस. नेगी–मुख्य विद्युत इंजीनियर (च–क), श्री आर. एन. सिंह–प्रमुख मुख्य संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर, तथा अन्य अधिकारी व कर्मचारी गण भी उपस्थित रहे और मिलकर परिसर में पौधे लगाए, जिससे भारतीय रेलवे की कार्बन फुटप्रिंट को कम करने और हरियाली बढ़ाने की प्रतिबद्धता को बल मिलेगा।

माघी पूर्णिमा पर आस्था के महाकुंभ में श्रद्धालुओं का रेला... तस्वीरों में देखें महास्नान का नजारा

प्रयागराज। प्रयागराज में माघ पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। संगम तट के दोनों ओर श्रद्धालु ही श्रद्धालु दिखाई दे रहे हैं। माघ पूर्णिमा पर सुबह–सुबह ही करीब एक करोड़ श्रद्धालुओं ने संगम में डुबकी लगाई है।

माघ पूर्णिमा के पावन अवसर पर चल रहे महाकुंभ में बुधवार को त्रिवेणी संगम पर पवित्र स्नान के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, अब तक 48.83 करोड़ से अधिक श्रद्धालु डुबकी लगा चुके हैं। इस बीच, माघ पूर्णिमा पर अयोध्या की सरयू नदी में भी श्रद्धालुओं ने पवित्र डुबकी लगाई। वाराणसी में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ है। उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को माघ पूर्णिमा के अवसर पर समस्त श्रद्धालुओं और प्रदेश वासियों को शुभकामनाएं दीं।

प्रयागराज में माघ पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। संगम तट के दोनों ओर श्रद्धालु ही श्रद्धालु दिखाई दे रहे हैं। माघ पूर्णिमा पर सुबह–सुबह ही करीब एक करोड़ श्रद्धालुओं ने संगम में डुबकी लगाई है।

माघ पूर्णिमा पर सबसे पहले नागा साधुओं के अखाड़ों ने डुबकी लगाई। इसके बाद अखाड़ों और फिर साधु–संतों ने पवित्र स्नान किया। इस प्रक्रिया के बाद ही श्रद्धालुओं ने स्नान करना शुरू किया।

संगम तट पर स्नान कर रहे श्रद्धालुओं पर हेलीकॉप्टर से फूलों की बारिश की जा रही है। महाकुंभ में अब तक 46.25 करोड़ से अधिक श्रद्धालु डुबकी लगा चुके हैं।

मोनिका नामक श्रद्धालु ने प्रशासन द्वारा किए गए प्रबंधों की सराहना की। उन्होंने एएनआई से बात करते हुए कहा, ष्हम माघ पूर्णिमा पर स्नान के लिए यहां आए हैं। सरकार ने वाकई बहुत अच्छी व्यवस्था की है। हमें वाकई बहुत अच्छा अनुभव हो रहा है। प्रयागराज में त्रिवेणी संगम पर पवित्र डुबकी लगाने के बाद महाकुंभ में शामिल हुए एक श्रद्धालु ने कहा, ष्मैंने आज तड़के तीन बजे स्नान किया। अब हम लौट रहे हैं। मौनी अमावस्या के मुकाबले आज भीड़ कम है। यहां व्यवस्थाएं अच्छी हैं।ष

प्रयागराज में महाकुंभ के एक तीर्थयात्री ने कहा, ष्मैं आज माघ पूर्णिमा पर स्नान करने की योजना बनाकर दिल्ली से यहां आया हूं। यहां व्यवस्थाएं बहुत अच्छी हैं।ष

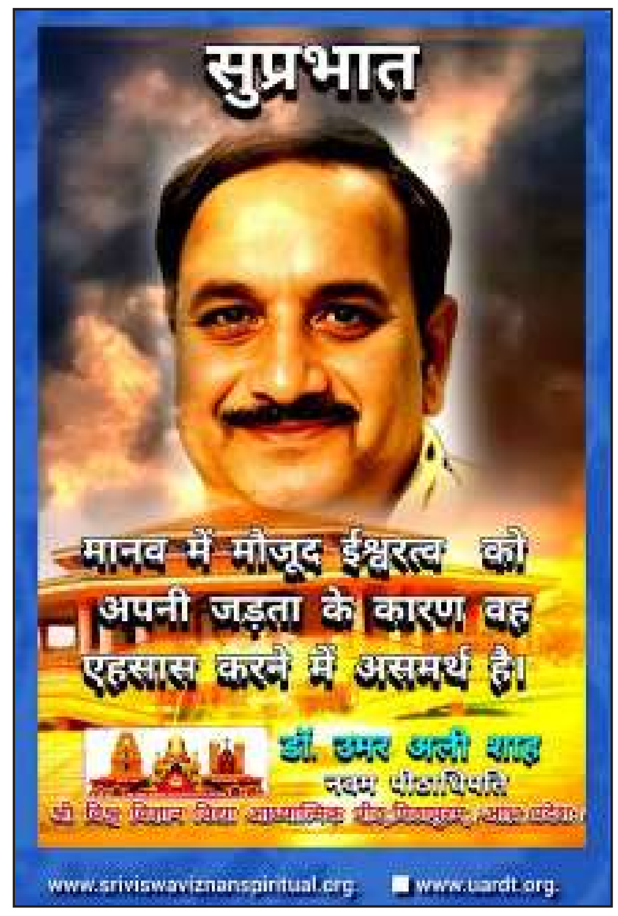

माघ गया निज धाम

(कुण्डलिया)

पावन भूमि प्रयाग में, एक माह तक माघ।
महिमा गंगा की बता, देता नर्म निदाघ।
देता नर्म निदाघ, काल की गणना करके।
लाया फागुन माह,गोद में खुशियाँ भरके।
सुन लो कहें प्रदीप, फागुनी खनखन खनखन।
टेसू से ले रंग, करे दिल पावन पावन। ।

फागुन से मिलकर गले,पढ़कर गंग–कलाम।
सबसे नेह प्रणाम कर, माघ गया निज धाम।
माघ गया निज धाम, जगह फागुन ने ले ली।
फूलों में उत्साह, रंग की अनुपम होली।
सुन लो कहें प्रदीप,सुनो! अब प्यारे पाहुन।
खोलो बन्द किवाड़,द्वार पर आया फागुन।।

डॉ०प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज
प्रयागराज

वक्त ने कभी हमें रूलाया !
तो वक्त ने कभी हमें हंसाया !
वक्त ने किसीको अमीर बनाया
तो वक्त ने किसी को फकीर बनाया !
वक्त ने किसी को उठाया तो वक्त ने किसीको गिराया !
वक्त ने किसी को उलझाया !
वक्त ने किसी को सुलझाया !
वक्त ने हमें किसी से मिलाया !
वक्त ने हमें जुदा भी किया।
वक्त ने किसी को आबाद किया !
तो वक्त ने किसी को बर्बाद किया!
वक्त ने किसी पर रहम फरमाया !
तो वक्त ने किसी पर कहर ढाया !
वक्त ने किसी को महान बनाया !
तो वक्त ने किसी को आम बनाया !
वक्त ने किसी को राह दिखाया !
तो वक्त ने किसी को भटकाया !
वक्त उसी पर मेहरवान हुआ !
जो वक्त को अपना गुलाम बनाया .....!!!

सैयदा आनोवारा खातून
विश्वनाथ चारिआलि (असम)

सम्पादकीय........

दिल्ली का जनादेश

देश को वैकल्पिक राजनीति व साफ–सुथरे प्रशासन देने के वायदे के साथ सत्ता में आई आम आदमी पार्टी का हालिया विधानसभा चुनावों में हुआ हश्र अप्रत्याशित नहीं है। निश्चित रूप से भाजपा के साधन–संपन्न बड़े संगठन और उसके केंद्र की सत्ता में होने का मुकाबला कर पाना किसी भी दल के लिये आसान नहीं था। भ्रष्टाचार के विरुद्ध चले अन्ना आंदोलन से उपजी आप के मुखिया अरविंद केजरीवाल पार्टी के पोस्टर ब्वाय के रूप में तो उभरे लेकिन जब उन पर तथा उनके सहयोगियों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे, तो वे जनता की अदालत में खुद को पाक–साफ साबित नहीं कर पाये। दरअसल, पिछले एक दशक से केंद्र सरकार से लगातार टकराव, कोर्ट–कचहरी और आरोप–प्रत्यारोपों से दिल्ली की जनता भी तंग आ चुकी थी। निस्संदेह, शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में आप ने रचनात्मक पहल जरूर की, लेकिन केंद्र सरकार व उसके प्रतिनिधि एलजी से लगातार जारी टकराव से दिल्ली का विकास अवरुद्ध होता नजर आया। लेकिन भाजपा ने जिस व्यापक स्तर पर और प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाकर दिल्ली का चुनाव लड़ा, उसके अप्रत्याशित परिणाम आने स्वाभाविक थे। इस तरह भाजपा ने ढाई दशक से अधिक के वनवास को खत्म करके सत्ता का वरण कर लिया। लेकिन 43 फीसदी मत व 22 विधायकों के साथ उभरी आप एक मजबूत विपक्ष की भूमिका में जरूर रहेगी। लेकिन यह जरूर है पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल व पार्टी के नंबर दो मनीष सिसोदिया, सौरभ भारद्वाज, सत्येंद्र जैन आदि अन्य धुरंधरों की हार से विधानसभा में आप की आवाज कमजोर जरूर हो जाएगी। वहीं कयास लगाए जा रहे हैं कि इन चुनावों के परिणाम से आप का अन्य राज्यों में विस्तार प्रभावित होगा। बहुत संभव है कि आप की पंजाब सरकार पर कुछ आंच आए। लेकिन एक बात तय है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में जिस भाजपा के प्रदर्शन को कमजोर आंका जा रहा था, वह एक बार फिर जीत की लय में दिखायी दे रही है। उसने हरियाणा के बाद महाराष्ट्र में यह करिश्मा दिखाया। इस चुनाव में कांग्रेस का खाता न खुलना पार्टी के लिये निराशाजनक ही है। वहीं इंडिया गठबंधन के लिये भी यह स्थिति बेहद निराशाजनक है क्योंकि दिल्ली विधानसभा चुनाव में उसके दो दल आप व कांग्रेस ताल ठोककर उतरे थे। इस चुनाव का एक रोचक पहलू यह भी रहा है कि अब तक मुफ्त की रेवड़ियों वाला आप का जो हथियार उसके विपक्षियों को पस्त करता रहा है, भाजपा ने उसी हथियार को आप के खिलाफ सफलतापूर्वक इस्तेमाल किया। खासकर महिलाओं को नकद राशि देने के भाजपा के वायदे ने गेमचेंजर की भूमिका निभायी। वहीं भाजपा के मजबूत संगठन और सशक्त चुनावी तंत्र ने तसवीर बदलने में निर्णायक भूमिका निभाई है। यही वजह है कि जहां भाजपा का खुशियों का कमल खिला, वहीं कांग्रेस की शून्य की हैट्रिक देश की सबसे पुरानी पार्टी को आत्ममंथन को बाध्य कर गई है। बहरहाल, इन चुनाव परिणामों ने आप को अपने सबसे मुश्किल दौर में पहुंचा दिया है। साथ ही यह भारतीय राजनीतिक परिदृश्य में वैकल्पिक राजनीति के सपने के टूटने जैसा भी है। इसके अलावा अब आप नेतृत्व को पार्टी को एकजुट बनाये रखने की भी चुनौती होगी। वहीं भाजपा पर दबाव होगा कि दिल्ली में पानी,बिजली,जलभराव, सफाई की व्यवस्था बनाने के साथ ही कूड़े के ढेरों के अभिशाप से राष्ट्रीय राजधानी को मुक्त कराए। अकसर होने वाला वायु प्रदूषण का संकट दूर करना भी एक चुनौती है। यमुना की बदहाली दूर करने का संकल्प प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच विजय रैली को संबोधित करते हुए लिया है, लेकिन यह काम इतना आसान भी नहीं है। इसी रैली में उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रीय राजधानी की सभी सीमाओं पर स्थित सभी राज्यों में पहली बार भाजपा की सरकारें सत्तारूढ़ हैं। उम्मीद है भाजपा इसे दिल्ली व एनसीआर के विकास का स्वर्णिम अवसर बनाएगी। विश्वास है कि डबल इंजन की सरकार किसी व्यवधान की दलील के बिना राष्ट्रीय राजधानी के गौरव को वैश्विक मापदंडों के अनुरूप ढाल पाएगी।

देर से हुआ बीरेन सिंह का इस्तीफा

प्रेम शर्मा

यदि हिंसा से दुखी होकर बीरेन सिंह को पद छोड़ना होता तो वे 2023 के मध्य में ही छोड़ देते जब मार्च में कुकियों के साथ हुए दुर्व्यवहार एवं उत्पीड़न के वीडियो सामने आये थे। इनमें दो कुकी युवतियों को निर्वस्त्र कर उनकी परेड कराई गई थी।

पिछले पौने दो सालों से हिंसाग्रस्त राज्य मणिपुर की भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने रविवार को राज्यपाल अजय कुमार भल्ला को अपना इस्तीफा सौंप दिया। इसके पहले उन्होंने दिल्ली में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। राजभवन में बीरेन सिंह के साथ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ए. शारदा, पूर्वोत्तर राज्यों के प्रभारी सांसद संबित पात्रा तथा 14 पार्टी विधायक भी उपस्थित थे। कभी मणिपुर से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर फुटबॉल खिलाड़ी के रूप में मशहूर हुए बीरेन सिंह 2017 में पहली बार तथा 2022 में दूसरी बार भाजपा सरकार में मुख्यमंत्री बने थे। मार्च 2023 से राज्य में कुकी और मैतेई समुदायों के बीच जारी हिंसक संघर्ष में वे स्थिति को सम्हालने में नाकाम रहे हैं। उनकी असफलता की आंच केन्द्र सरकार और समग्र भाजपा तक पहुंची। खासकर इसे लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बहुत आलोचना हुई थी, जिन्होंने पिछले पौने दो सालों में एक बार भी मणिपुर का दौरा नहीं किया, न ही इस बीच मुख्यमंत्री को हटाने की कोई पहल की। बल्कि कुकी और मैतेई के संघर्ष की आड़ में भाजपा हिन्दू वोटों का ध्रुवीकरण करने की कोशिश में लगी रही, वह भी पार्टी की राज्य व केन्द्रीय इकाइयों के मौन रखने का कारण बना। यह त्यागपत्र इतनी देर से हुआ है कि उसके बारे में यह कहना व्यर्थ होगा कि राज्य में जारी हिंसक झड़पों से व्यथित होकर या नैतिकता के आधार पर दिया गया है। यदि हिंसा से दुखी होकर बीरेन सिंह को पद छोड़ना होता तो वे 2023 के मध्य में ही छोड़ देते जब मार्च में कुकियों के साथ हुए दुर्व्यवहार एवं उत्पीड़न के वीडियो सामने आये थे। इनमें दो कुकी युवतियों को निर्वस्त्र कर उनकी परेड कराई गई थी। इसे लेकर मणिपुर सरकार ही नहीं वरन केन्द्र सरकार ने जो चुप्पी साधी थी उसके कारण मोदी व भाजपा सरकार की जबर्दस्त आलोचना होती रही। मोदी के बारे में तो कहा ही जाता रहा कि वे मणिपुर का म भी नहीं बोलते। इसे लेकर दुनिया भर में भारत की निंदा हुई थी। यहां तक कि मोदी जब अमेरिका के दौरे पर गये थे तो उनसे इस बाबत सवाल किया गया था। संसद में भी कभी सरकार ने इस विषय पर कोई चर्चा नहीं होने दी। जब पुराने से नये संसद भवन में कामकाज प्रारम्भ हुआ था तब कहीं मोदीजी ने सदन के बाहर इस पर बामुश्किल डेढ़–दो मिनटों का बयान देकर अपनी पीड़ा व्यक्त की थी लेकिन इस पर अधिकृत बयान कभी संसद के भीतर एक जिम्मेदार लहजे में नहीं दिया था और न ही किसी भी सदन में गम्भीर बहस होने दी थी। मोदी को इस पर थोड़े लफ्ध्ज इसलिये जाया करने पड़े थे क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर स्वतरू संज्ञान लेकर कहा था कि श्इस हिंसा को रोकने के लिये यदि सरकारों (राज्य व केन्द्र) द्वारा कुछ नहीं किया जाता तो उसे ही कुछ करना पड़ेगा।श वैसे इसे लेकर जब मणिपुर में जन प्रदर्शन (कुकी व मैतेई दोनों पक्षों के) जारी थे, तब जरूर एक बार बीरेन सिंह ने अपना इस्तीफा जनता को सौंप दिया था जिसे रोती हुई एक महिला ने फाड़ दिया था। साफ था कि वह एक सुनियोजित प्रदर्शन था जिसके जरिये वे यह संदेश देना चाहते थे कि मुख्यमंत्री का पद तो वे छोड़ना चाहते हैं लेकिन जनता का उन पर ऐसा भरोसा है कि वह उन्हें नहीं छोड़ना चाहती। मणिपुर की स्थिति को लेकर वे किस कदर संजीदा व जिम्मेदाराना थे उसका उदाहरण इसी से लगाया जा सकता है कि एक बार जब उनसे एक हिंसक वारदात को लेकर सवाल हुआ तो उन्होंने कहा था कि ऐसी अनेक घटनाएं होती रहती हैं। सभी पर कार्रवाई नहीं की जा सकती। हालांकि पिछले साल के अंत में उन्होंने राज्य की जनता से इस हिंसा व जान–माल के नुकसान के लिये माफी मांगते हुए उम्मीद जताई थी कि साल 2025 शांतिपूर्ण रहेगा। विपक्ष ने तो इस दौरान अनेक बार पूछा कि मोदीजी मणिपुर कब जा रहे हैं लेकिन प्रधानमंत्री कभी भी नहीं गये। यहां तक कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने तक यह टिप्पणी की थी कि पूरी केन्द्र सरकार को मणिपुर जाकर बैठ जाना चाहिये तथा वहां की स्थिति को सुधारना चाहिये। केन्द्र सरकार व भाजपा के लिये इससे बड़ा निर्देश नहीं हो सकता था पर इस दौरान केवल अमित शाह कुछ दिनों के लिये वहां गये थे। दूसरी तरफ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 14 जनवरी, 2024 को अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा की शुरुआत मणिपुर से ही की थी। इसका असर वहां हुआ था लेकिन केन्द्र सरकार पर इसका कोई फर्क नहीं पड़ा तथा वह पहली की तरह मणिपुर को लेकर उदासीन रही। सवाल यह उठ सकता है कि इतने लम्बे समय से चली आ रही हिंसा के बाद ऐसा क्या हुआ कि मुख्यमंत्री से इस्तीफा ले लिया गया अथवा उन्होंने दे दिया। इसका कारण यह बताया जाता है कि सोमवार से निर्धारित मणिपुर विधानसभा के सत्र में, जो रद्द कर दिया गया, कांग्रेस द्वारा बीरेन सिंह के प्रति अविश्वास व्यक्त करने के लिये प्रस्ताव लाया जाना था। आशंका थी कि प्रस्ताव को कुछ भाजपा विधायक समर्थन दे सकते हैं, तो खुद को फजीहत से एवं पार्टी को टूटने से बचाने के लिये ऐसा किया गया है। अभी प्रधानमंत्री मोदी फ्रांस और अमेरिका के दौरे पर निकल गए हैं। अमेरिका में उनसे मणिपुर के मसले पर मानवाधिकार को लेकर पहले भी सवाल हो चुके हैं, फिर से वैसी ही नौबत न आए, संभवतः इस वजह से भी अभी बीरेन सिंह का इस्तीफा लिया गया है। इसके पहले 19 विधायकों ने बीरेन के इस्तीफे की मांग की थी। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट ने उस ऑडियो की फोरेंसिक जांच के भी आदेश दिए हैं जिसमें बीरेन सिंह द्वारा हिंसा भड़काने की पुष्टि होती है।

दिल्ली: दो नावों की सवारी में आप हुई धड़ाम!

राजेंद्र शर्मा

आखिरकार, दिल्ली में वह हो गया, जिसकी बहुतों द्वारा आशंकाएं जताई जा रही थीं। भाजपा सत्तर में से 48 सीटें जीतकर, आई ईस साल के बाद दिल्ली में सत्ता निर्णायक तरीके से वापसी करने का मौका मिल गया। और बारह वर्ष बाद, दिल्ली के चुनाव में जनता का फैसला आम आदमी पार्टी नाम की उस नयी राजनीतिक पार्टी के खिलाफ आया है, जो राजधानी दिल्ली से ही धूमकेतु की तरह उठी थी, जिसका दिल्ली से ही अस्त होने की भविष्यवाणियां सुनाई देने लगी हैं। यह दूसरी बात है कि हालांकि आम आदमी को सिर्फ 22 सीटें मिली हैं और वह भाजपा से पूरे 26 सीटों से पिछड़ गयी है, फिर भी दोनों पार्टियों के वोट में सिर्फ 2 फीसदी का अंतर रहा है। इस चुनाव में भाजपा को जहां 45.56 फीसदी वोट मिले हैं, आम आदमी पार्टी को 43.57 फीसद वोट पर ही संतोष करना पड़ा है। बेशक, यह हमारी श्जो पहले आए, सब ले जाएश् पर आधारित चुनाव प्रणाली की विचित्रता का हिस्सा है कि सिर्फ 2 फीसदी वोट के अंतर से भाजपा, आप से दोगुनी से ज्यादा सीटें पाने में कामयाब रही है।हैरानी की बात नहीं है कि संघ–भाजपा, इस जीत को लेकर न सिर्फ बड़े–बड़े दावे कर रहे हैं बल्कि इस चुनावी जीत को भाजपा और मोदी राज के पक्ष में दिल्ली की जनता का जोरदार जनादेश साबित करने की भी कोशिश कर रहे हैं। इसके बल पर यह साबित करने की भी कोशिश की जा रही है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को जो धक्का लगा था, देश की जनता अब अपनी उस भूल का श्सुधारश्य कर रही है, लोकसभा चुनाव के बाद से हरियाणा, महाराष्ट्र और अब दिल्ली में भाजपा जीते, इसका जीता–जागता सबूत हैं। लेकिन, स्पष्ट जनादेश के ये दावे इस मायने में संदेहास्पद हैं कि न सिर्फ भाजपा को आम आदमी पार्टी के मुकाबले केवल 2 फीसदी वोट की बढ़त हासिल हुई है और भाजपा और उसकी सहयोगी पार्टियां मिलकर भी, 47 फीसदी का आंकड़ा नहीं छू पाई हैं, भाजपा और उसके सहयोगियों के घोषित विरोध के मंच के आधार पर चुनाव लड़ रही कांग्रेस को भी इस चुनाव में 6.34 फीसद वोट मिला है और उसका तथा आम आदमी पार्टी का वोट मिलकर ही पचास फीसदी के करीब हो जाता है। भाजपा के विरोध के आधार पर सीमित संख्या में सीटों पर चुनाव लड़ी वामपंथी पार्टियों का वोट भी जोड़ लिया जाए तो, भाजपा के विरुद्घ जनादेश का बल 50 फीसदी से ज्यादा वोट का हो जाता है। बेशक, तिकोने मुकाबले में भाजपा के खिलाफ लड़ते हुए भी, एक–दूसरे के खिलाफ लड़ रही आम आदमी पार्टी और कांग्रेस का वोट आपस में जोड़े जाने का चुनाव नतीजों के हिसाब से कोई व्यावहारिक अर्थ नहीं है। फिर भी, इस वोट का जोड़कर देखा जाना इसलिए प्रासंगिक है कि जैसा कि करीब दस महीने पहले ही हुए संसदीय चुनाव ने दिखाया था, इन पार्टियों का चुनाव के लिए साथ आना सिर्फ कोरी कल्पना का ही मामला नहीं था, बल्कि एक व्यावहारिक संभावना का मामला था। और जैसा कि देश में जनतंत्र तथा धर्मनिरपेक्षता के मूल्यों की परवाह करने वाली अनेक ताकतों तथा लोगों ने चुनाव से पहले ही आगाह भी किया था, संघ–भाजपा को सत्ता से दूर बनाए रखने के लिए, आम तौर पर तमाम संघ–भाजपा विरोधी ताकतों का और खासतौर पर आप तथा कांग्रेस का साथ आना, जरूरी था। इस आगाही का वजन लोकसभा चुनाव में भाजपा के दिल्ली में सभी सात सीटें एक बार फिर जीतने और पहले हरियाणा तथा उसके बाद महाराष्ट्र में उसका विजयरथ फिर से दौड़ पड़ने के प्रभावों को देखते हुए, और भी ज्यादा बढ़ गया था।इस सब को देखते हुए, यह बात भी दर्ज करने वाली जरूर है कि आप को 22 सीटों पर जीत मिलने के अलावा कम से कम 13–14 सीटों पर आप और कांग्रेस का संयुक्त वोट, जीत के लिए काफी होता। यानी दोनों पार्टियां मिलकर चुनाव लड़ी होतीं तो, इसी गणित में भी चुनाव का नतीजा बदल सकता था। जाहिर है कि साथ मिलकर चुनाव लड़ने से जो राजनीतिक–चुनावी प्रभाव पड़ा होता, इस गणित को संघ–भाजपा के खिलाफ ही झुका सकता था। वास्तव में पिछले लोकसभा चुनाव में ही इसका भी सबूत मिल गया था, जब सभी सात सीटें जीतने के बावजूद, भाजपा के मत फीसदी में, 2019 के चुनाव के मुकाबले करीब 3 फीसदी वोट की कमी दर्ज हुई थी। भाजपा के वोट में इस कमी के पीछे एक बड़ा कारक, आप और कांग्रेस का मिलकर चुनाव लड़ना था। इसे देखते हुए, कम से कम इतना तो कहा ही जा सकता है कि दिल्ली में भाजपा की अटठाईस साल बाद सत्ता में वापसी को संभव बनाने में, एक कारण आप और कांग्रेस का, संघ–भाजपा को समान रूप से विरोधी मानते हुए भी, उसके खिलाफ एकजुट नहीं हो पाना था। इंडिया के मंच की इस विफलता की जनतांत्रिक तथा धर्मनिरपेक्ष ताकतों को आने वाले समय में बहुत भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। याद रहे कि जनतांत्रिक विपक्षी मंच ने ऐसी ही विफलता का प्रदर्शन इससे पहले मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ व राजस्थान तथा बाद में हरियाणा जैसे राज्यों में भी किया था। इन सबसे पहले गुजरात, गोवा आदि राज्यों में भी जनतांत्रिक विपक्ष का ऐसा ही बिखराव देखने को मिला था। कम से कम इतना तो कहा ही जा सकता है कि आम चुनाव के बाद से इंडिया ब्लाक, राज्यों के स्तर पर इस बिखराव को दूर करने में कोई सुधार नहीं कर पाया है। यहां तक कि इसे देखते हुए मीडिया में अब इंडिया ब्लाक के ही अंत की भविष्यवाणियां भी की जाने लगी हैं। फिर भी दिल्ली के चुनाव के नतीजों को सिर्फ या मुख्यतरू आप और कांग्रेस के गठबंधन न कर पाने का नतीजा नहीं कहा जा सकता है। इसका सीधा सा कारण यह है कि 2015 और 2020 के विधानसभाई चुनावों में आम आदमी पार्टी ने जो झाडूमार जीत हासिल की थी, उसके पीछे अकेले उसकी ही पचास फीसदी से ज्यादा वोट की ताकत थी। पिछले विधानसभाई चुनाव में आम आदमी पार्टी को 53.57 फीसदी वोट मिले थे, जबकि भाजपा को 38.51 फीसदी वोट पर ही संतोष करना पड़ा था। लेकिन, ताजातरीन चुनाव में आम आदमी पार्टी का वोट, घटकर 43.57 फीसदी रह गया है यानी पूरे 10 फीसदी से घट गया है, जबकि भाजपा का वोट, करीब 7 फीसदी बढ़कर, 45.46 फीसदी हुआ है। इसी दौरान कांग्रेस का वोट 4.26 फीसदी से बढ़कर 6.34 फीसदी हुआ है यानी आप पार्टी के वोट में हुई गिरावट में से 2 फीसदी से ज्यादा वोट कांग्रेस के हिस्से में भी आया है। आप के वोट में करीब 7 फीसदी छीनने ने ही, इस चुनाव के नतीजे को निर्णायक रूप से भाजपा के पक्ष में झुकाया है। आप पार्टी के दुर्भाग्य ये, उसके वोट में भाजपा का इतनी ही बड़ी सेंध लगाना, न केवल संभव था बल्कि उसके सारे आधार पहले से मौजूद थे। दिल्ली के हाल के चुनावी इतिहास की जिस विशिष्टता को अनेक टीकाकार बार–बार रेखांकित करते रहे थे, आम आदमी पार्टी के दिल्ली के राजनीतिक मंच पर उभरने के बाद से, मतदाताओं के एक उल्लेखनीय हिस्से का लोकसभा और विधानसभा के चुनावों में स्पष्ट रूप से भिन्न चुनाव करना था। जैसा कि हमने पहले ध्यान दिलाया, 2015 के चुनाव से विधानसभा में दिल्ली के मतदाताओं में आधे से ज्यादा आप पार्टी के पक्ष में मतदान कर, उसकी झाडूमार जीत सुनिश्चित करते रहे थे और दूसरी ओर, लोकसभा चुनावों में 2014 से ही आधे से ज्यादा मतदाता इसी प्रकार, भाजपा की झाडूमार जीत सुनिश्चित करते आए थे। लेकिन, आप पार्टी के दुर्भाग्य से लोकसभा चुनाव में भाजपा के साथ रहने के बाद, विधानसभा में आप पार्टी का साथ देने वाला यह मतदाता घट रहा था और उसका बढ़ता हुआ हिस्सा विधानसभा चुनाव में भी भाजपा के पक्ष में जा रहा था। 2015 के चुनाव में ऐसा वोट 40 फीसदी माना गया था, जो 2020 के चुनाव तक घटकर 35 फीसदी रह गया था। इस चुनाव में यह हिस्सा और भी घट गया लगता है और दस महीने पहले हुए लोकसभा चुनाव और अब हुए विधानसभा चुनाव के बीच, भाजपा के वोट में गिरावट घटकर 8 फीसदी के करीब ही रह गयी है। इसे इस प्रकार भी कह सकते हैं कि दिल्ली में आप की शानदार जीत की इमारत, बहुत हद तक संघ–भाजपा के समर्थन आधार पर ही खड़ी थी। कहने की जरूरत नहीं है कि इसे आप आदमी पार्टी के एक ऐसी मूलतः अराजनीतिक राजनीति मध्यवर्गीय परिघटना होने ने ही संभव बनाया था, जिसका अपने जन्म के समय संघ–भाजपा के साथ गहरा साझा रहा था। एक राजनीतिक पार्टी के रूप में दिल्ली में सत्ता में पहुंचने के बाद भी आप पार्टी ने सचेत रूप से अपनी अराजनीतिक–राजनीति की इस छवि को ही नहीं बनाए रखा था, संघ–भाजपा की हिंदुत्ववादी राजनीति के साथ बुनियादी सहानुभूति का अपना रिश्ता भी बनाए रखा था।

दिल्ली में मिली करारी हार के बावजूद आप एक राजनीतिक ताकत बनी रहेगी

डॉ. ज्ञान पाठक

दिल्ली विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार और भाजपा के हाथों सत्ता गंवाने के बावजूद, आम आदमी पार्टी (आप) एक राजनीतिक ताकत बनी रहेगी। आप का विशाल मतदाता समर्थन आधार बरकरार है और चुनाव परिणाम दर्शाते हैं कि भाजपा केवल 1.99 प्रतिशत वोटों के मामूली अंतर से जीत सकी है, जो आप की स्थानीय और राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं को जीवित रखेगा। आप और उसके सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल के अनिश्चित राजनीतिक भविष्य, उनके अन्त की शुरुआत, मतदाताओं और भारतीय समुदाय के बीच उनकी राजनीतिक विश्वसनीयता में कमी और उनकी राष्ट्रीय महत्वाकांक्षा के टूटने की भविष्यवाणी करने वाले राजनीतिक विश्लेषक शायद अतिशयोक्तिपूर्ण हैं। दिल्ली चुनाव परिणाम के अंतिम आंकड़ों से पता चलता है कि आप को 43.57 प्रतिशत वोट मिले, जबकि भाजपा को 45.56 प्रतिशत। मात्र 1.99 प्रतिशत के मामूली अंतर से आप को हुआ यह नुकसान दर्शाता है कि आप भाजपा के अत्यंत शक्तिशाली राजनीतिक और प्रशासनिक जाल में फंसने के बावजूद शानदार प्रदर्शन कर सकी है। चुनाव प्रचार के दौरान आप आरोप लगाती रही है कि दिल्ली पुलिस और भाजपा के गुंडों द्वारा उनके कार्यकर्ताओं को डराया–धमकाया जा रहा है, केंद्रीय जांच एजेंसियां उन्हें निशाना बना रही हैं, उपराज्यपाल और दिल्ली सरकार के अधिकारी उनके खिलाफ काम कर रहे हैं और चुनाव मशीनरी उन्हें निशाना बना रही है, आदि–आदि, जो अभी भी जांच के विषय हैं। आप, इसके सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल और पार्टी के कई नेताओं को पहले भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार किया गया था, हालांकि वे सभी जमानत पर थे। न केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित भाजपा नेतृत्व, बल्कि कांग्रेस नेताओं, यहां तक कि राहुल गांधी ने भी केजरीवाल और उनकी पार्टी को भ्रष्ट बताते हुए निशाना बनाया। अगर वोटों के प्रतिशत को देखें तो आप को ऐसे राजनीतिक हमलों के बावजूद अपना विशाल जनाधार बचाने में सफल रही है। चुनाव हारने के बावजूद केजरीवाल ने दिल्ली में एक राजनीतिक नायक के रूप में अपनी स्थिति को बचाए रखा है, जिन्होंने भाजपा नेतृत्व खासकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कड़ी चुनावी टक्कर दी, जो केजरीवाल और आप के खिलाफ प्रचार करते रहे हैं। जहां तक कांग्रेस का सवाल है, तो उसे केवल 6.34 प्रतिशत वोट ही मिल पाये, जो कि दिल्ली विधानसभा चुनाव 2020 में पार्टी को मिले वोटों की तुलना में लगभग दो प्रतिशत की मामूली वृद्धि है। दिल्ली में कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी का प्रभाव नगण्य है। इस प्रकार दिल्ली चुनाव परिणाम से पता चलता है कि आप और केजरीवाल अभी भी सबसे बड़ी धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक ताकत हैं, और भाजपा शासन और उसके सांप्रदायिक राजनीतिक एजेंडे के मुख्य विपक्ष हैं। इसलिए, देश की धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक संघीय राजनीति में, आप स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर पर एक महत्वपूर्ण राजनीतिक ताकत बनी रहेगी। आप का बहुत बड़ा वोट शेयर यह भी दर्शाता है कि लोगों के कल्याण के लिए केजरीवाल का राजनीतिक रुख सही दिशा में और अटल था। भाजपा ने वास्तव में सामाजिक कल्याण योजनाओं के संबंध में वायदे करने की आप की लाइन का पालन किया है। भाजपा ने आप से ज्यादा का वादा किया और दिल्ली में आप की सभी कल्याणकारी योजनाओं को जारी रखने का भी वायदा किया। आप की राजनीति देश के सभी राज्यों में आम लोगों और गैर–भाजपा राजनीतिक दलों को आप की ओर आकर्षित करना जारी रखेगी। पंजाब, गोवा और गुजरात जैसे राज्यों में गैर–भाजपा मतदाताओं के पास आप का समर्थन करने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा। इस प्रकार दिल्ली में सत्ता खोने से भी आप की राष्ट्रीय आकांक्षाएं प्रभावित नहीं होंगी।कांग्रेस की राजनीतिक हार से आप की राष्ट्रीय आकांक्षाएं और मजबूत होंगी। कांग्रेस लगभग उन सभी राज्यों में हार गयी जहां उसका सीधा मुकाबला भाजपा से था। जिन प्रमुख राज्यों में पार्टी हारी, वे छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा थे। महाराष्ट्र और दिल्ली के हालिया चुनावों में कांग्रेस का प्रदर्शन दयनीय रहा। जिस कटुता के साथ कांग्रेस और आप ने दिल्ली चुनाव लड़ा, वह निकट भविष्य में उन्हें हाथ मिलाने से रोकेगा। आप उन राज्यों में अपना ध्यान केंद्रित करने की पूरी कोशिश करेगी जहां कांग्रेस की राजनीतिक ताकत कम हो रही है। कांग्रेस दिल्ली और पंजाब में अपनी राजनीतिक किस्मत बदलने की स्थिति में नहीं है। आप के पास दिल्ली में वापसी करने और पंजाब में बढ़त बनाये रखने की पूरी संभावना है। जहां तक इंडिया ब्लॉक की बात है, समाजवादी पार्टी, शिवसेना (यूबीटी) और तृणमूल कांग्रेस जैसे प्रमुख गैर–कांग्रेसी सहयोगी आप का समर्थन कर रहे थे। वास्तव में, देश का कोई भी राजनीतिक दल दिल्ली या पंजाब में आप और केजरीवाल को नजरंदाज नहीं कर सकता। दोनों राज्यों में आप कांग्रेस पर अपना दबदबा बनाये रखना चाहती है। दिल्ली में भाजपा के मुख्य विपक्षी दल के रूप में आप की प्रासंगिकता बरकरार है। फिर भी, दिल्ली चुनाव के नतीजों से इंडिया ब्लॉक के भीतर राजनीतिक ताकतों के पुनर्गठन की संभावना है। यह देखना होगा कि कांग्रेस या आप के साथ या उसके बिना इंडिया ब्लॉक बचता है या नहीं। इंडिया ब्लॉक में नेतृत्व परिवर्तन की मांग पहले से ही थी, जबकि आप इंडिया ब्लॉक से कांग्रेस को बाहर करने की मांग कर रही थी। दिल्ली चुनाव में हार ने निश्चित रूप से आप और उसके नेतृत्व, खासकर केजरीवाल के सामने राजनीतिक चुनौतियों को बढ़ा दिया है, लेकिन उनका बचा हुआ विशाल समर्थन आधार भी खत्म नहीं होगा। उनकी उम्मीदों और आकांक्षाओं को उनका विशाल जनाधार ही जीवित रखेगा। भाजपा और उसके नेतृत्व के लिए आगे कठिन समय होगा, भले ही वे 1998 के बाद लंबे अंतराल के बाद दिल्ली में मजबूत पैर जमाकर सत्ता में आये हों। जिस बहुत कम अंतर से उन्होंने यह चुनाव जीता है, वह उन्हें प्रतीकात्मक रूप से महत्वपूर्ण राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में एक सत्तारूढ़ पार्टी के रूप में राजनीतिक रूप से सक्रिय बनाये रखेगा।

आयरनमैन ट्रायथलॉन में दूसरी बार हिस्सा लेने वाली पहली भारतीय बनीं सैयामी खेर, बोलीं-उम्मीद है मेरी यात्रा लोगों को प्रेरित करेगी

सैयामी खेर,अपनी फिटनेस और एंड्यूरेंस स्पोर्ट्स के लिए जानी जाती हैं। वहीं, अब यह एक्ट्रेस आयरनमैन 70.3 जॉनकॉपिंग यूरोपियन चौंपियनशिप में हिस्सा लेने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। यह प्रतिष्ठित ट्रायथलॉन जुलाई 2025 में आयोजित होगी। पिछले साल, सैयामी ने इतिहास रचते हुए आयरनमैन ट्रायथलॉन पूरा करने वाली पहली भारतीय एक्ट्रेस बनने का गौरव हासिल किया था। अब वह दूसरी बार इस कठिन प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर एक और नया कीर्तिमान स्थापित करने जा रही हैं। अपनी इस उपलब्धि ा को लेकर सैयामी ने सोशल मीडिया पर अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए लिखा, पिछले साल आयरनमैन 70.3 पूरा करना मेरे जीवन के सबसे संतोषजनक अनुभवों में से एक था। इसने मुझे संयम, अनुशासन और मानसिक ताकत का महत्व सिखाया। इस बार मैंने एक और कठिन मार्ग चुना है, क्योंकि मैं खुद को और आगे ले जाना चाहती हूँ। मेरे पास सिर्फ 5 महीने हैं, साथ ही मैं दो फिल्मों की शूटिंग भी कर रही हूँ, लेकिन मुझे पता है कि अगर समय का सही उपयोग किया जाए तो 24 घंटे बहुत होते हैं। मैं उम्मीद करती हूँ कि मेरी यह यात्रा लोगों को फिटनेस अपनाने और अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी। सिर्फ मनोरंजन जगत ही नहीं, बल्कि खेल जगत में भी सैयामी की फिटनेस और मेहनत की सराहना हो रही है। सैयामी के फैंस उन्हें इस नई चुनौती के लिए शुभकामनाए दे रहे हैं और उम्मीद कर रहे हैं कि वह फिर से देश का नाम रोशन करेंगी। बता दें,आयरनमैन 70.3, जिसे हाफ–आयरनमैन भी कहा जाता है, एक कठिन ट्रायथलॉन है, जिसमें 1.9 किमी तैराकी, 90 किमी साइकिलिंग और 21.1 किमी दौड़ शामिल हैं। ऐसे में सैयामी की भागीदारी भारत को एक बार फिर एंड्यूरेंस स्पोर्ट्स के वैश्विक मंच पर पहचान दिला रही है। प सभी का बहुत–बहुत धन्यवाद।

> " सैयामी ने सोशल मीडिया पर अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए लिखा, पिछले साल आयरनमैन ७०.३ पूरा करना मेरे जीवन के सबसे संतोषजनक अनुभवों में से एक था। इसने मुझे संयम, अनुशासन और मानसिक ताकत का महत्व सिखाया।

एक बार फिर सुर्खियों में आए चाहत फतेह अली खान, इस खूबसूरत टीवी होस्ट को किया प्रपोज

पाकिस्तानी सिंगर चाहत फतेह अली खान, जो अपने गाने बद्दो बद्दी के लिए सोशल मीडिया पर फेमस हुए थे, फिर से सुर्खियों में हैं। इस बार वह अपने गानों से ज्यादा अपने कमेंट्स के कारण चर्चा में हैं। उन्होंने एक टीवी शो में होस्ट हिना नियाजी को शादी के लिए प्रपोज कर दिया, जिसके बाद उन्हें ट्रोल किया जा रहा है। चाहत फतेह अली खान हाल ही में एक टीवी शो में पहुंचे थे, जो हिना नियाजी होस्ट कर रही थीं। इस शो में चाहत ने हिना को प्रपोज कर दिया। हिना ने उन्हें साफ तौर पर मना कर दिया, कहा कि उनकी फैमिली काफी सख्त है और मेरी अपनी अलग च्वाइस है। चाहत ने जवाब में कहा, श्मैं आप जैसी किसी महिला से शादी करना चाहता हूं, मैं पिछले साल से आपका पीछा कर रहा हूं। इसके बाद भी चाहत ने हिना की तारीफ की और उन्हें बार–बार प्रपोज किया। चाहत ने बताया कि अब तक 38 महिलाएं उन्हें शादी के लिए प्रपोज कर चुकी हैं, लेकिन जब उनसे यह पूछा गया कि क्यों उन्होंने इन प्रपोजल्स को ठुकरा क्यों दिया, तो उन्होंने कहा, शदिल की अपनी मर्जी होती है। इस घटना के बाद, चाहत फतेह अली खान को सोशल मीडिया पर आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। कुछ समय पहले, चाहत पर एक पाकिस्तानी एक्ट्रेस ने जबरदस्ती छूने का आरोप भी लगाया था, जिसके बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने उनका विरोध किया था।

स्टार प्लस जादू तेरी नजर-डायन का मौसम के साथ गेमिंग की दुनिया में रख रहा कदम

क्या स्टार प्लस अब टीवी के साथ गेमिंग की दुनिया में भी कदम रखने जा रहा है? इसके अपकमिंग सुपरनैचुरल शो जादू तेरी नजर डायन का मौसम को लेकर चर्चाएं तेज हैं! माना जा रहा है कि यह सिर्फ एक टीवी शो नहीं बल्कि एक ऐसा अनोखा अनुभव होगा, जहां जादू, रोमांच और गेमिंग का रोमांचक संगम देखने को मिलेगा। अगर अफवाहें सच साबित होती हैं, तो यह एंटरटेनमेंट की दुनिया में एक बड़ा बदलाव ला सकता है, जहां टीवी और गेमिंग की दीवारें टूट जाएंगी। खबरों की मानें तो जादू तेरी नजर दृ डायन का मौसम सिर्फ एक टीवी शो तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इससे जुड़ा एक रोमांचक गेम भी दर्शकों को जादुई और रहस्यमयी दुनिया में ले जाने वाला है। इस गेम में खिलाड़ी शो की कहानी से जुड़े रहस्य सुलझाएंगे, अहम किरदारों से बातचीत करेंगे और उन्हीं रहस्यमयी घटनाओं का हिस्सा बनेंगे, जो स्क्रीन पर देखने को मिलेंगी। बताया जा रहा है कि यह गेम एक स्टोरी–ड्रिवन एक्सपीरियंस देगा, जहां हर मोड़ पर नया सस्पेंस होगा। खिलाड़ी खुद को उन्हीं रहस्यमयी घटनाओं में फंसा पाएंगे, जो शो की पहचान बनने वाली हैं। अगर यह सच हुआ, तो यह टीवी और गेमिंग के मेल का बिल्कुल नया और रोमांचक तरीका होगा! अगर जादू तेरी नजर दृ डायन का मौसम को एक गेम में भी बदला जाता है, तो यह दर्शकों और गेमर्स के लिए एक अनोखा और मल्टी–डाइमेंशनल अनुभव बन सकता है। इससे न केवल शो देखने का मजा बढ़ेगा, बल्कि दर्शकों को इसकी रहस्यमयी दुनिया में एक्टिव पार्टिसिपेशन का मौका भी मिलेगा। यह गेम शो की कहानी को और गहराई से महसूस करने का मौका दे सकता है, जहां दर्शक सिर्फ देखने वाले नहीं, बल्कि खुद इस जादुई सफर का हिस्सा बन जाएंगे। इससे न सिर्फ फैंस की इंटरैक्शन बढ़ेगी, बल्कि एक नए तरीके से एंटरटेनमेंट का मजा भी दोगुना हो जाएगा! जैसे–जैसे इस गेम की लॉन्चिंग को लेकर चर्चा तेज हो रही है, फैंस उत्सुक हैं कि क्या स्टार प्लस वाकई कुछ बड़ा और अनोखा पेश करने वाला है। क्या यह एक ऐसा अनुभव होगा जो एंटरटेनमेंट की दुनिया में नई क्रांति लाएगा? इंतजार का रोमांच बढ़ता जा रहा है। कुछ ऐसा आने वाला है जो दर्शकों को चौंका सकता है और एंटरटेनमेंट को नए लेवल पर ले जा सकता है। बने रहिए अपडेट्स के लिए, क्योंकि हो सकता है कि कुछ बेहद खास आपके सामने आने वाला हो!

'इंडियाज गॉट लेटेंट' विवाद के बीच वरुण धवन की कॉमेडी पर वरुण धवन का रिएक्शन वायरल, जानें एक्टर ने क्या कहा?

स्टैंड–अप समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' पर रणवीर अल्लाहबादिया की आपत्तिजनक टिप्पणी पर बवाल मच गया है। शिकायत दर्ज होने से लेकर गंभीर ट्रोलिंग तक, समय, रणवीर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अपूर्व मखीजा जांच के घेरे में हैं। इस विवाद के बीच बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह बताते नजर आ रहे हैं कि उन्होंने इस शो का हिस्सा न बनने का फैसला क्यों किया। विडंबना यह है कि यह बातचीत रणवीर अल्लाहबादिया के पॉडकास्ट पर हुई।

वरुण क्यों नहीं जाना चाहते थे समय रैना के शो में?

जब रणवीर अल्लाहबादिया के पॉडकास्ट में वरुण से कॉमेडी और इसकी लोकप्रियता के बारे में पूछा गया, तो वरुण ने बताया कि उन्हें इंडियाज गॉट लेटेंट में अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। हालांकि, उन्होंने इस शो में न जाने का फैसला किया। अभिनेता ने कहा, उन्होंने मुझे शो में आने के लिए कहा और ईमानदारी से कहूं तो मैं इसमें आना पसंद करूंगा, लेकिन मेरी चिंता यह है कि इसका हम पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। इस तरह के हास्य से आप जितना अधिक ध्यान आकर्षित करते हैं, कभी–कभी यह क्रॉसफ़ायर बन जाता है। वरुण पहले ही क्रॉसफ़ायर के बारे में बोल चुके हैं वरुण के यह कहने के बाद, रणवीर ने उन्हें पुनर्विचार करने के लिए प्रोत्साहित किया, यह बताते हुए कि उनका आना कितना मनोरंजक होगा। हालांकि, वरुण अपनी बात पर अड़े रहे और कहा कि उन्हें व्यक्तिगत रूप से शो के हास्य से कोई समस्या नहीं है, लेकिन यह उनकी पेशेवर प्रतिबद्धताओं के लिए एक जोखिम भरा कदम होगा। अभिनेता ने कहा, ष्मैं इसे तुरंत करूंगा। मैं अपने लिए चिंतित नहीं हूं, लेकिन मुझे लगता है कि जिन टीमों के साथ मैं काम करता हूं, वे चिंतित हो सकती हैं। मुझे इसे तब करना होगा जब मैं किसी चीज़ का प्रचार नहीं कर रहा हूं क्योंकि यह निश्चित रूप से क्रॉसफ़ायर होगा।

इंडियाज गॉट लेटेंट विवाद क्या है?

यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया ने समय रैना के शो इंडियाज गॉट लेटेंट पर आपत्तिजनक टिप्पणी की। इसके बाद उन्हें पूरे देश में ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। ऑल इंडिया सिने वर्कर्स एसोसिएशन ने समय रैना, उनके शो और रणवीर इलाहाबादिया पर प्रतिबंध लगाने की बात कही और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी। हालांकि, इलाहाबादिया ने इस विवाद के लिए माफी मांगी है, जबकि अन्य दो ने चुप्पी साधे रखी।

मुश्किलों में घिरे रणवीर पर राखी सावंत को आई दया, सपोर्ट करते हुए बोलीं-कभी-कभी हो जाता है, उसको माफ कर दो

मशहूर यूट्यूबर रणवीर इलाहबादिया अपने अश्लील बयान के बाद काफी विवादों में बने हुए हैं और लगातार लोग उन्हें ट्रोल करने और उनके खिलाफ एक्शन की मांग करने में लगे हुए हैं। इसी बीच ड्रामा क्वीन राखी सावंत ने रणवीर इलाहबादिया का सपोर्ट किया है और रणवीर के विवादित कमेंट पर सभी से उनको माफ करने की अपील की है। राखी सावंत ने रणवीर इलाहबादिया के माफी मांगने वाली पोस्ट के कमेंट सेक्शन में रिएक्ट करते हुए लिखा–भले ही रणवीर गलत थे, लेकिन उनको माफ कर देना चाहिए। इट्स ओके कभी–कभी हो जाता है, उसको माफ कर दो। मैं जानती हूं कि उसने गलत किया है लेकिन फिर भी उसको माफ कर दो। मालूम हो कि राखी सावंत भी इंडियाज गॉट लेटेंट के पिछले एपिसोड में नजर आ चुकी हैं। दरअसल, ये मामला तब भड़का जब इंडियाज गॉट लेटेंट के हाल ही के एक एपिसोड में रणवीर इलाहबादिया एक कंटेस्टेंट से पेरेंट्स के यौन संबंधों पर अश्लील सवाल पूछा। इसके बाद उनकी जमकर आलोचना होने लगी और पुलिस ने शिकायत भी दर्ज की। वहीं, विवाद बढ़ता देख रणवीर ने वीडियो शेयर करते हुए माफी भी मांगी। जानकारी के लिए बता दें कि समय रैना और आशीष चंचलानी के अलावा जसप्रीत सिंह, अपूर्व मखीजा और रणवीर इलाहबादिया के अलावा कई और लोगों के खिलाफ पुलिस ने शिकायत दर्ज की है।

> " राखी सावंत ने रणवीर इलाहबादिया के माफी मांगने वाली पोस्ट के कमेंट सेक्शन में रिएक्ट करते हुए लिखा-भले ही रणवीर गलत थे, लेकिन उनको माफ कर देना चाहिए। इट्स ओके कभी-कभी हो जाता है, उसको माफ कर दो।

पेपर कप में चाय पीना सेहत के लिए हो सकता है नुकसानदेह, खतरा जान चकरा जाएंगे आप

एक रिसर्च के मुताबिक अगर आप कागज के कप में चाय पीते हैं, तो इससे कैंसर जैसी गंभीर बीमारी होने का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। इस गंभीर बीमारे के खतरे की वजह कागज के रूप में इस्तेमाल होने वाला प्लास्टिक है। जो आपको आंखों से नहीं दिखता है, लेकिन यह चाय में घुलकर हमारे स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कागज के कप में चाय पीने से सेहत को होने वाले कुछ नुकसान के बारे में बताने जा रहे हैं।

जानिए 3 खतरनाक बातें

चाय का कप वॉटरप्रूफ होता है, इसको वॉटरप्रूफ बनाने के लिए कागज के कप पर प्लास्टिक की महीन लेयर चढ़ाई जाती है। पेपर कप में जब गर्म चाय डालते हैं, तो इस पर चढ़ी प्लास्टिक की लेयर पिघलने लगती है। क्योंकि एक कप चाय में माइक्रोप्लास्टिक के 25 हजार से अधिक कण घुल जाते हैं। इन कणों का साइज इतना अधिक बारीक होता है कि आप इनको आंखों से नहीं देख सकते हैं। इसके साथ ही प्लास्टिक में मौजूद दूसरे हानिकारक केमिकल्स चाय में घुलकर हमारे शरीर में पहुंचते हैं। ऐसे में अगर आप पेपर कप में दिन भर में 5 चाय पीते हैं, तो एक लाख 25 हजार माइक्रो प्लास्टिक कण आपके शरीर में पहुंच जाएंगे। वहीं लगातार इस कप में चाय पीने से कैंसर जैसी गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। साथ ही बॉडी में धीरे–धीरे माइक्रोप्लास्टिक कण जमा होने लगते हैं। जिससे डायरिया जैसी बीमारी हो सकती है। पेपर कप में चाय पीने से हाजमा खराब हो जाता है और आंतों में इंफेक्शन फैल जाता है और धीरे–धीरे इसका असर किडनी और लिवर पर भी पड़ने लगता है।

प्रेग्नेंट महिलाओं के लिए हानिकारक

हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो गर्भवती महिलाओं को पेपर कप के इस्तेमाल से बचना चाहिए। क्योंकि इसका इस्तेमाल करने से हाई बीपी की समस्या हो सकती है। पेपर कप के इस्तेमाल से गर्भ में पलने वाले बच्चे का विकास रुक सकता है और बच्चे को मानसिक बीमारी होने का खतरा भी बढ़ सकता है। वहीं महिलाओं को थकान और एंग्जाइटी हो सकती है।

डिस्पोजल कप पर रिसर्च

एक रिसर्च में सामने आया है कि न सिर्फ व्यक्ति की सेहत बल्कि यह पेपर कप मिट्टी और पर्यावरण तक को प्रदूषित करते हैं। शोध के दौरान तितली और मच्छर के लार्वा पर रिसर्च की और पता लगाने की कोशिश कि अलग–अलग चीजों से बने डिस्पोजेबल कप का लार्वा पर कैसा असर पड़ता है। इसके लिए पेपर कप और प्लास्टिक कप को कुछ सप्ताह के लिए पानी में छोड़ दिया गया। पानी में कप में मौजूद केमिकल घुलकर लार्वा तक पहुंच गया। आपको जानकर हैरानी होगी कि तितलियों और मच्छरों के लार्वा के विकास पर कप में मौजूद केमिकल ने निगेटिव असर डाला। जल्द नष्ट हो जाता है। लेकिन बता दें कि दूसरे प्लास्टिक की तरह च्द। भी खतरनाक और जहरीला हो सकता है। जब मिट्टी–पानी में पहुंचकर बायोप्लास्टिक के कण पर्यावरण में घुलते हैं, तो यह आसानी से नष्ट नहीं हो पाते हैं। ऐसे में यह पानी और हवा–मिट्टी के जरिए इंसानों और जानवरों के शरीर में पहुंच जाता है। इन कणों में मौजूद केमिकल सेहत को नुकसान पहुंचाते हैं।

पर्यावरण में घुल जाता है प्लास्टिक

प्लास्टिक हमेशा पर्यावरण में बना रहता है तो हमेशा खतरे के रूप में कायम रहता है। ऐसे में यह गलकर माइक्रोप्लास्टिक की शक्ल में न सिर्फ इंसानों और जानवरों तक पहुंच जाता है। आपको बता दें कि प्लास्टिक में उतना प्लास्टिक होता है, जितना कि एक नॉर्मल श्कवेंशन प्लास्टिकश में। पेपर प्लास्टिक में भी नुकसान पहुंचाने वाले पार्टिकल्स मिले होते हैं, जो सेहत के लिए ही नहीं बल्कि पर्यावरण के लिए भी काफी बड़ा खतरा है।

ऐसे रिसाइकल होते हैं जूठे कप

बहुत सारे लोग सोचते हैं कि डिस्पोजेबल पेपर कप को रिसाइकल कर पर्यावरण को नुकसान होने से बचाया जा सकता है। हालांकि कुछ आसान स्टेप्स को फॉलो कर पेपर कप को रिसाइकल कर सकते हैं और नुकसान से बच सकते हैं। पेपर कप को रिसाइकल करने के लिए कागज और प्लास्टिक की परत को पहले अलग किया जाता है। फिर इसमें से निकले कागज से दूसरे प्रोडक्ट्स बना सकते हैं। आपको बता दें कि ऐसी कई कंपनियां हैं, जो पेपर कप को रिसाइकल कर उससे नैपकिन, टिश्यू पेपर और कार्ड बोर्ड जैसे नए प्रोडक्ट्स बनाती है। कनाडा और अमेरिका जैसे देशों में हर साल 6 से 8 लाख टन पेपर का इस्तेमाल किया जाता है।

सोने से पहले खा लें ये 5 फल, अच्छी नींद के साथ सेहत को भी मिलेंगे ढेर फायदे

अगर आप अनिद्रा से पीड़ित हैं और आपके मस्तिष्क के सांसारिक विचारों से घिरे रहने के कारण पूरी रात करवटें बदलते रहने से आपका सो पाना मुश्किल लगता है तो रात के आहार में कुछ फलों को शामिल करने से बेहतर नींद में मदद मिल सकती है। ज्यादातर डॉक्टरों का मानना है कि हर दिन सात या आठ घंटे की नींद लेनी चाहिए, हालांकि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में नींद अक्सर पीछे छूट जाती है, वहीं अपनी नींद को नजरअंदाज करने से मानसिक स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव पड़ सकता है।

सोने से पहले करें इन फलों का सेवन

स्वास्थ्य विशेषज्ञ का कहना है कि सोने से पहले अपने रात्रिकालीन आहार में कुछ फलों को शामिल करने से उनके सूजनरोधी गुणों, मेलाटोनिन और पोटेशियम के कारण बेहतर नींद में मदद मिल सकती है। विशेषज्ञों ने ऐसे शीर्ष पांच फलों के नाम गिनाये हैं जिनमें सेब ,चेरी , कीवी , केला और अनानास शामिल है।

सेब के फायदे

विशेषज्ञों के मुताबिक सेब पोषक तत्वों का बड़ा स्रोत है जो रात की अच्छी नींद में योगदान दे सकता है। यह फल विटामिन और मेलाटोनिन से भरपूर है जो रात में जागने से रोकने में मदद कर सकता है। स्टार प्लेयर्स में से एक विटामिन बी –6 है, जो सेब में मौजूद है और अनिद्रा को कम कर सकता है। इसके अलावा इसमें फाइबर और प्राकृतिक शर्करा रक्त शर्करा के स्तर को स्थिर करने और किसी व्यक्ति के सामान्य मूड के साथ–साथ समग्र कल्याण में सुधार करने में मदद मिलती है।

चेरी के फायदे

चेरी शरीर में एंटी–ऑक्सीडेंट मेलाटोनिन के स्तर को बढ़ा सकती है जो विश्राम और सोने में सहायक होती है। दिलचस्प तथ्य यह भी है कि चेरी से भी अधिक तीखा चेरी का रस, जो एक वायरल चलन का हिस्सा बन गया है, रात को अच्छी नींद लाने के लिए एक अद्भुत पेय है। जूस में मेलाटोनिन होता है, जो इसे नींद की गुणवत्ता और अवधि को नियंत्रित करने का एक बेहतरीन प्राकृतिक तरीका बनाता है। लुइसियाना स्टेट यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन से पता चलता है कि तीखा चेरी का रस पीने से अनिद्रा से भी राहत मिल सकती है।

कीवी के फायदे

कीवी या कीवीफ्रूट एक छोटा अंडाकार आकार का फल है, जो कई विटामिन और खनिजों , विशेषकर विटामिन सी और ई के साथ–साथ पोटेशियम और फोलेट से भरपूर होता है। पोषण विशेषज्ञों का सुझाव है कि सोने से पहले कीवी के सेवन से बेहतर नींद की गुणवत्ता को बढ़ावा मिल सकता है। शोधकर्ताओं का भी मानना है कि कीवी सेरोटोनिन से समृद्ध है , जो नींद में सहायक होता है। केले को पोषक तत्वों का पावरहाउस माना जाता है और सोने से ठीक पहले एक केला खाना नींद न आने की समस्या से निजात दिला सकता है।

केले के फायदे

केले में उच्च स्तर का मैग्नीशियम और पोटेशियम होता है, जो मांसपेशियों को आराम दे सकते हैं। इसके साथ ही इसमें ट्रिप्टोफैन भी होता है, जो शरीर में सेरोटोनिन में परिवर्तित हो जाता है जो आपके मूड को नियंत्रित करता है और विश्राम को बढ़ावा देता है।

अनानास के फायदे

इसी प्रकार अनानास में मेलाटोनिन, विटामिन सी, मैग्नीशियम और फाइबर की प्रचुरता होती है। ये सभी सोने और जागने के चक्र को नियंत्रित करने में मदद कर सकते हैं। शोधकर्ताओं ने पता लगाया है कि अनानास खाने के बाद शरीर में मेलाटोनिन मार्कर बढ़ जाते हैं जो आपको रात में जल्दी सो जाने में सक्षम बनाते हैं। अनानास में ब्रोमेलैन भी होता है, जो अपने सूजनरोधी गुणों के कारण मांसपेशियों को आराम देने में मदद करता है और इस प्रकार आपकी नींद में सुधार करता है।

एसिडिटी और खट्टी डकार से राहत पाने के लिए अपनाएं ये घरेलू नुस्खे, जल्द मिलेगी राहत

कई बार हम भूख से ज्यादा खाना खाते हैं और ज्यादा तला–भुना व मसाले वाला खाना खाते हैं। या फिर खाना खाने के बाद एक जगह बैठ जाते हैं। जिसके कारण अपच की समस्या हो जाती है।

खाना खाने के बाद सभी लोग डकार लेते हैं। लेकिन कई बार खाना खाने के बाद खट्टी डकारें आने लगती हैं, जिसके कारण डिस्कम्फर्ट महसूस होने लगता है। आमतौर पर कई बार हम भूख से ज्यादा खाना खाते हैं और ज्यादा तला–भुना व मसाले वाला खाना खाते हैं। या फिर खाना खाने के बाद एक जगह बैठ जाते हैं। जिसके कारण अपच की समस्या हो जाती है। इसके कारण बार–बार एसिडिक जूस मुंह में आता है। ऐसे में अगर आप इस समस्या से छुटकारा पाना चाहते हैं, तो इसके लिए कुछ घरेलू उपाय अपना सकते हैं। बता दें कि आपके किचन में मौजूद कुछ चीजें खट्टी डकार की समस्या को दूर कर सकते हैं।

राहत पाने के उपाय

सौंफ

आपको बता दें कि खट्टी डकार से निपटने के लिए आप सौंफ के पानी का सेवन कर सकते हैं। सौंफ के पानी में फाइबर की भरपूर मात्रा पायी जाती है, जिससे पाचन दुरस्त होती है। खट्टी डकार की समस्या से बचने के लिए 1 गिलास पानी में 1 चम्मच सौंफ डालकर इसको उबाल लें। फिर इस पानी के ठंडा होने पर इसको छन्नी से छानकर इसे पी लें।

नींबू पानी और काला नमक

नींबू पानी में काला नमक मिलाकर इसका सेवन करने से खट्टी डकार की समस्या से राहत पाया जा सकता है। इससे आपको राहत मिलेगी। क्योंकि नींबू में एसिटिक गुण पाया जाता है, जो खट्टी डकार की समस्या को दूर करने में सहायक होता है। वहीं पेट के पीएच स्तर को नींबू पानी कम करता है।

काला नमक और भुना जीरा

काला नमक और भुने जीरा का पाउडर खट्टी डकार में काफी फायदेमंद हो सकता है। जीरा और नमक पाचन क्रिया को दुरुस्त रखता है। इसमें बाउल मूवमेंट सही होता है। खट्टी डकार से राहत पाने के लिए एक चम्मच भुने जीरा पाउडर में आधा चम्मच काला नमक पानी में मिक्स कर पिएं।

हींग

हींग को पाचन के लिए काफी अच्छा माना जाता है। हींग खट्टी डकार में भी फायदेमंद माना जाता है। आप गुनगुने पानी से हींग का सेवन कर सकते हैं। बता दें कि एक चुटकी हींग को गर्म पानी के साथ पी लें। इससे आपको जल्द ही आराम मिलेगा। वहीं आप चाहें तो हींग को पानी में डालकर उसे उबालकर पी सकते हैं।

अजवाइन

अजवाइन भी खट्टी डकार से राहत देने का काम करता है। साथ ही यह डाइजेस्टिव जूस को भी बढ़ावा देता है और इसके सेवन से खाना ठीक से पच जाता है।

कहीं आप भी तो नहीं करती ज्यादा एलोवेरा जेल का इस्तेमाल? जानें इसके नुकसान

आजकल चेहरे की सुंदरता को बढ़ाने के लिए लड़कियां कई तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं। इनमें से एक बहुत ही लोकप्रिय प्रोडक्ट है एलोवेरा जेल, जिसे चेहरे पर लगाने से स्किन को ठंडक और आराम मिलता है। हालांकि, कुछ लड़कियां इसका अधिक इस्तेमाल करती हैं, जिससे उनकी त्वचा पर समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। आइए जानते हैं कि एलोवेरा जेल का अत्यधिक उपयोग कैसे आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकता है और ब्यूटी एक्सपर्ट इस बारे में क्या कहते हैं।

एलोवेरा जेल के फायदे और नुकसान

एलोवेरा जेल के कई फायदे होते हैं, लेकिन जैसे हर चीज की एक सीमा होती है, वैसे ही एलोवेरा का अधिक उपयोग भी आपकी त्वचा के लिए हानिकारक हो सकता है। ब्यूटी एक्सपर्ट रेनू माहेश्वरी के मुताबिक, अगर आप एलोवेरा जेल का अधिक इस्तेमाल करती हैं तो इससे आपकी स्किन पर कई तरह की समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

चेहरे पर खुजली और जलन

अगर आप एलोवेरा जेल का अत्यधिक प्रयोग करती हैं, तो इससे आपकी स्किन पर खुजली और जलन की समस्या हो सकती है। साथ ही, कुछ लड़कियों की त्वचा पर एलर्जी भी हो सकती है, जिससे उन्हें और अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

स्किन का काला पड़ना और रूखापन

रेनू माहेश्वरी ने बताया कि एलोवेरा जेल का अधिक उपयोग करने से चेहरे की त्वचा पर बुरा असर पड़ सकता है। इससे चेहरे पर ऑयल बढ़ सकता है, जिससे त्वचा चिपचिपी हो सकती है। इसके अलावा, ज्यादा एलोवेरा जेल लगाने से त्वचा काली पड़ने और रूखी होने की समस्या भी हो सकती है।

कम उम्र में झुर्रियां

यदि आप लगातार ज्यादा एलोवेरा जेल का उपयोग करती हैं, तो इससे कम उम्र में ही झुर्रियां भी दिखने लग सकती हैं। एक्सपर्ट का कहना है कि एलोवेरा जेल का ज्यादा उपयोग करने से चेहरे पर पिंपल्स भी हो सकते हैं, जो ठीक करना मुश्किल हो सकता है।

एलोवेरा जेल का सही तरीके से इस्तेमाल

अगर आप एलोवेरा जेल का उपयोग करती हैं तो यह जरूरी है कि आप इसे सीमित मात्रा में ही इस्तेमाल करें। एक्सपर्ट का सुझाव है कि इससे पहले एक पैच टेस्ट जरूर करें, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह आपकी त्वचा पर सही तरीके से काम कर रहा है। एलोवेरा जेल का कम मात्रा में इस्तेमाल करने से आपकी त्वचा पर कोई नुकसान नहीं होगा और इसके फायदे भी मिलेंगे।

इसलिए, अगर आप अपनी त्वचा को सुंदर और स्वस्थ बनाना चाहती हैं तो एलोवेरा जेल का इस्तेमाल सोच–समझकर और सही मात्रा में करें। ज्यादा उपयोग से होने वाले नुकसान से बचने के लिए हमेशा ब्यूटी एक्सपर्ट की सलाह लें और अपनी स्किन का ख्याल रखें।

संक्षिप्त

टाटा एलेक्सी ने ड्रोन डिजाइन, प्रमाणन केंद्र स्थापित करने के लिए गरुड़ एयरोस्पेस के साथ की साझेदारी

मुंबई, एजेंसी। डिजाइन एवं प्रौद्योगिकी सेवा प्रदाता टाटा एलेक्सी ने स्वदेशी ड्रोन प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए डिजाइन, इंजीनियरिंग व प्रमाणन केंद्र स्थापित करने के वास्ते ड्रोन विनिर्माता गरुड़ एयरोस्पेस के साथ साझेदारी की है। बयान के अनुसार, सहयोग के तहत टाटा एलेक्सी एवियोनिक्स, लघुकरण, भू–नियंत्रण प्रणाली, सुरक्षित संचार और ऊर्जा अनुकूलन में अपनी विशेषज्ञता के दम पर यूएवी उप–प्रणालियों के डिजाइन, विकास, परीक्षण व प्रमाणन का नेतृत्व करेगी। मूल उपकरण विनिर्माता गरुड़ एयरोस्पेस जिसकी रक्षा क्षेत्र में मजबूत उपस्थिति है। वह व्यवसाय अधिग्रहण तथा वितरण का नेतृत्व करेगी। टाटा एलेक्सी के (एयरोस्पेस, रेल एंड ऑफ–हाइवे) प्रमुख जयराज राजपांडियन ने कहा, '' गरुड़ एयरोस्पेस के साथ हमारी साझेदारी भारत की एयरोस्पेस महत्वाकांक्षाओं में एक बड़ी उपलब्धि है। एआई–संचालित यूएवी उन्नति को आगे बढ़ाकर हम भारत के रक्षा परिवेश को मजबूत कर रहे हैं और एयरोस्पेस प्रौद्योगिकियों में देश की आत्मनिर्भरता को मजबूत कर रहे हैं।'' गरुड़ एयरोस्पेस के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अग्निश्वर जयप्रकाश ने कहा, ''टाटा एलेक्सी के साथ यह रणनीतिक सहयोग स्वदेशी नवाचार को लेकर हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। अगले तीन से पांच वर्षों में, हम हवाई तथा जमीनी प्रणालियों के पूर्ण स्वदेशी उत्पादन व आपूर्ति पर ध्यान केंद्रित करेंगे, जिससे यूएवी प्रौद्योगिकी में भारत का नेतृत्व मजबूत होगा।

महिंद्रा समूह की कर्नाटक में 40,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना : आनंद महिंद्रा

महिंद्रा समूह के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने मंगलवार को कहा कि समूह अगले कुछ वर्षों में कर्नाटक में करीब 40,000 करोड़ रुपये निवेश करने की योजना बना रहा है। इन्वेस्ट कर्नाटक–2025 शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में उन्होंने कहा कि महिंद्रा समूह को कर्नाटक में नवीकरणीय ऊर्जा, एयरोस्पेस, आतिथ्य और रियल एस्टेट जैसे दीर्घकालिक व्यवसायों में निवेश करने के लिए तैयार है। आनंद महिंद्रा ने कहा, ''मुझे आज यहां यह बताते हुए अत्यंत खुशी हो रही है कि महिंद्रा समूह आगामी वर्षों में कर्नाटक में लगभग 40,000 करोड़ रुपये के निवेश की योजना बना रहा है।'' उन्होंने कहा कि कर्नाटक

समूह के नवीकरणीय ऊर्जा खंड में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। महिंद्रा सस्टेन अगले पांच वर्षों में 35,000 करोड़ रुपये का निवेश करना चाहती है। इस निवेश से पांच गीगावट से ज्यादा सौर और हाइब्रिड परियोजनाओं का विकास किया जाएगा, जिसके परिणामस्वरूप 6,000 से 8,000 नए रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे। आनंद महिंद्रा ने कहा, हम अतिरिक्त 1,000 करोड़ रुपये का निवेश करना चाहते हैं और सरकारी अधिकारियों के साथ इसपर चर्चा कर रहे हैं। मैं उनके सहयोग की आशा करता हूं, खासकर भूमि एकत्रीकरण के संबंध में। उन्होंने यह भी कहा कि महिन्द्रा डिफेंस सर्विसेज और महिन्द्रा एयरोस्पेस राज्य में रणनीतिक विस्तार के अवसर तलाश रही हैं, जिसके लिए कई सौ करोड़ रुपये के निवेश की योजना बनाई गई है।

हुंदै मोटर इंडिया को एमएससीआई इंडिया सूचकांक में जोड़ा जाएगा, अदाणी ग्रीन होगी बाहर

हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड को एमएससीआई इंडिया सूचकांक में शामिल किया जाएगा जबकि अदाणी ग्रीन एनर्जी इससे बाहर होगी। सूचकांक संकलक एमएससीआई की घोषणा के अनुसार, एमएससीआई वैश्विक मानक सूचकांक के घटकों में परिवर्तन 28 फरवरी 2025 से प्रभावी होंगे। एमएससीआई वैश्विक निवेश समुदाय के लिए महत्वपूर्ण निर्णय समर्थन उपकरण व सेवाओं का अग्रणी प्रदाता है। एमएससीआई ग्लोबल स्मॉल कैप सूचकांक में 19 कंपनियों को जोड़ा जाएगा, जबकि 19 कंपनियां 28 फरवरी से बाहर हो जाएंगी।

रुपया शुरुआती कारोबार में 27 पैसे मजबूत होकर 86.52 प्रति डॉलर पर

कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के उपायों के समर्थन से रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में 27 पैसे मजबूत होकर 86.52 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। हालांकि, विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अस्थिर घरेलू शेयर बाजारों, विदेशी पूंजी की निकासी और विश्वव्यापी शुल्क युद्ध की चिंताओं के बीच अमेरिकी मुद्रा के मजबूत होने से रुपये की बढ़त सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 86.44 प्रति डॉलर पर खुला और फिर 86.36 प्रति डॉलर के उच्च स्तर को छुने के बाद शुरुआती सौदों में डॉलर के मुकाबले 86.52 पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 27 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया मंगलवार को 66 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.79 पर बंद हुआ था। तीन मार्च 2023 के बाद से एक सत्र में दर्ज यह सबसे अधिक बढ़त थी। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत की बढ़त के साथ 107.91 पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.31 प्रतिशत की गिरावट के साथ 76.36 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 4,486.41 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

एनसीए ने फिट घोषित किया, फिर क्यों चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हुए बुमराह? अगरकर ने लिया फाइनल कॉल

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) ने चौंपियंस ट्रॉफी के लिए अपनी फाइनल टीम घोषित कर दी है। टीम में बदलाव के लिए आखिरी तारीख 12 फरवरी है और ऐसे में अजीत अगरकर की अगुआई में चयनकर्ताओं ने मंगलवार को टीम का एलान किया। इसमें दो बदलाव किए गए हैं। भारत को जसप्रीत बुमराह के रूप में बड़ा झटका लगा। वह चोट की वजह से टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं, जबकि यशस्वी जायसवाल को भी जगह नहीं दी गई। बुमराह की जगह हर्षित राणा और यशस्वी की जगह वरुण चक्रवर्ती को मौका दिया गया है। हालांकि, न्यूज एजेंसी पीटीआई की एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसके मुताबिक एनसीए ने बुमराह को फिट घोषित किया था, लेकिन फिर ऐसी क्या वजह आई, जिसकी वजह से बुमराह को शामिल नहीं किया गया। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि बुमराह को लेकर फाइनल कॉल मुख्य चयनकर्ता अगरकर ने लिया है। उन्होंने इसके लिए कोच गौतम गंभीर और कप्तान रोहित शर्मा से बातचीत भी की थी।

एनसीए ने बुमराह को फिट बताया था

किसी खिलाड़ी की क्रिकेट में वापसी को मंजूरी देने से पहले एनसीए फिटनेस के दो मापदंडों की जांच करता है। बुमराह इससे पहले 2022 में भी बैक सर्जरी से गुजरे थे। तब उन्हें फिट होने में करीब 10 महीने का वक्त लगा था और उन्होंने 2023 में वापसी की थी। हालांकि, अब यह समस्या उन्हें फिर से हुई है। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर सिडनी टेस्ट के दौरान उन्हें परेशानी महसूस हुई थी। इसके बाद उन्हें एनसीए में पांच से छह हफ्त के रिहैब से गुजरने को कहा गया। इस दौरान उनके साथ स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग ट्रेनर रजनीकांत और फीजियो तुलसी भी थे। बीसीसीआई के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया, श्एनसीए के हेड नितिन पटेल द्वारा भेजी गई रिपोर्ट में नितिन ने रिहैबिलिटेशन पूरा करने के बाद बुमराह को चिकित्सकीय रूप से फिट घोषित कर दिया था।। इसके बाद एनसीए की खेल एवं चिकित्सा विज्ञान टीम ने बुमराह के चयन पर फैसला करने की जिम्मेदारी अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति पर छोड़ दी थी।

अगरकर–गंभीर और रोहित के बीच हुई चर्चा

हालांकि, इस बात पर संदेह बना हुआ था कि चौंपियंस ट्रॉफी जैसे बड़े टूर्नामेंट से पहले वह गेंदबाजी के लिए फिट हैं या नहीं। गेंद जब अगरकर के

पाले में डाल दी गई तो उन्होंने अहमदाबाद में कप्तान रोहित शर्मा और कोच गौतम गंभीर के साथ इस मुद्दे पर बात की। तीनों के बीच इस बात पर बहस चली कि क्या बुमराह को लेना उचित होगा जो उनकी नजर में पूरी तरह फिट नहीं हैं। या फिर हर्षित राणा जैसे नए गेंदबाज को चुना जाए जो पूरी तरह से फिट हैं, लेकिन अगर बुमराह उपलब्ध हैं तो कोई उन्हें टीम में शामिल करने का मौका नहीं छोड़ना चाहेगा। हालांकि, चयनकर्ता किसी तरह का रिस्क नहीं लेना चाहते थे। ऐसे में स्क्वॉड में एक अनफिट प्लेयर को नहीं ले जाने पर सहमति बनी। सभी का मानना था कि फिट घोषित किए जाने के बावजूद अगर एनसीए यह नहीं बता पा रहा कि वह पूरे टूर्नामेंट में पूरी तरह से गेंदबाजी कर पाएंगे या नहीं तो ऐसे में रिस्क नहीं उठाया जाए।

2022 में भी बुमराह को लेकर की गई थी जल्दबाजी

सूत्र ने बताया, श्काफी रिस्क था और अगर बुमराह किसी मैच के दौरान फिर से चोटिल हो जाते हैं तो यह पूरी तरह से शर्मिंदगी की बात होती। नितिन पटेल की अगुआई वाली एनसीए ने इससे पहले 2022 में भी बुमराह को लेकर जल्दबाजी की थी और टी20 विश्व कप 2022 से पहले बुमराह को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ द्विपक्षीय सीरीज में खेलने को कहा था। इसने बुमराह की चोट को और बढ़ा दिया था। तब चयन समिति की अगुआई चेतन शर्मा कर रहे थे। इसलिए अगरकर कोई चांस नहीं लेना चाहते थे। यह भी बात सामने आई है कि बुमराह ने अब तक पूरे दम के साथ गेंदबाजी शुरू नहीं की है और जो लोग इस बारे में जानते हैं उनका कहना है कि इतने कम समय में मैच फिट होना काफी मुश्किल है।

आईपीएल में वापसी कर सकते हैं बुमराह

इसके बजाय अब बुमराह आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए वापसी करें और फिर इंग्लैंड में भारत का नेतृत्व करें क्योंकि रोहित शर्मा को फिर से टेस्ट के लिए चुने जाने की संभावना नहीं है। चयन समिति ने वरुण चक्रवर्ती के रूप में पांचवें स्पिनर को टीम में चुना है जिन्हें इंग्लैंड के खिलाफ टी20 और वनडे सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है। वहीं, सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को इसलिए बाहर किया गया, क्योंकि रोहित और शुभमन गिल पारी का आगाज करेंगे। जरूरत पड़ी तो ऋषभ पंत या केएल राहुल में से कोई एक पारी का आगाज कर सकता है।

केकेआर के दो खिलाड़ी भारतीय टीम में

यशस्वी को हालांकि, ट्रैवलिंग रिजर्व में रखा गया है। उनके साथ रिजर्व में शिवम दुबे (हार्दिक के बैकअप) और मोहम्मद सिराज (शमी के बैकअप) शामिल हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय में काफी सफल रहे वरुण ने अपने टी20 फॉर्म के आधार पर कटक में वनडे में डेब्यू किया और केकेआर का यह गेंदबाज मुख्य कोच गंभीर का निजी तौर पर पसंदीदा गेंदबाज भी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चौंपियंस ट्रॉफी टीम में दो खिलाड़ी गंभीर की सिफारिशों के आधार पर चुने गए हैं। इनमें हर्षित और वरुण शामिल हैं और ये दोनों संयोग से आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स का भी हिस्सा हैं।

चौंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत की फाइनल टीम : रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उप–कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, रवींद्र जडेजा, वरुण चक्रवर्ती।

ऑस्ट्रेलिया की चैंपियंस ट्रॉफी टीम में पांच बदलाव, चोटिल कमिंस की जगह यह स्टार संभालेगा कमान

सिडनी, एजेंसी। चौंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए अपनी फाइनल टीम के एलान की आज आखिरी तारीख है। भारत ने मंगलवार को दो बदलाव कर अपनी निश्चित टीम की घोषणा की, वहीं ऑस्ट्रेलिया ने भी अपने फाइनल स्क्वॉड का एलान कर दिया है। ऑस्ट्रेलियाई टीम फिलहाल चोट से ग्रस्त चल रही है। टीम के कई बड़े खिलाड़ी चोटिल हैं और ऐसे में मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली को पांच बड़े बदलाव करने पड़े। ऑस्ट्रेलिया को सबसे बड़ा झटका तब लगा, जब टीम के तीन मुख्य तेज गेंदबाज कप्तान पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और मिचेल स्टार्क अलग–अलग कारणों से टूर्नामेंट से बाहर हो गए। कमिंस और हेजलवुड चोटिल हैं, जबकि स्टार्क ने निजी कारणों से टूर्नामेंट से हटने का फैसला लिया है। वहीं, मार्कस स्टोइनिस ने वनडे से संन्यास ले लिया और मिचेल मार्श चोटिल हो गए हैं। अब चौंपियंस ट्रॉफी में कमिंस की जगह स्टीव स्मिथ कप्तानी करते दिखेंगे।

ये पांच खिलाड़ी बाहर, इन्हें मिला मौका

ऑस्ट्रेलियाई टीम से कमिंस, स्टार्क, हेजलवुड, स्टोइनिस और मार्श के रूप में पांच खिलाड़ी बाहर हुए और उनकी जगह शॉन एबॉट, बेन ड्वारशुइस, जेक फ्रेचर मैकगर्क, स्पेंसर जॉनसन और तनवीर सांघा को मौका दिया गया है। मुख्य चयनकर्ता बेली ने कहा, श्कुछ असामयिक चोटों और मार्कस स्टोइनिस के संन्यास के बाद पिछले एक महीने में टीम में काफी बदलाव हुआ है। इसका सकारात्मक पहलू यह है कि हम उन खिलाड़ियों को बुलाने में सफल रहे हैं जिन्हें पिछले 12 महीने में अंतरराष्ट्रीय और घरेलू स्तर पर सफलता मिली है।

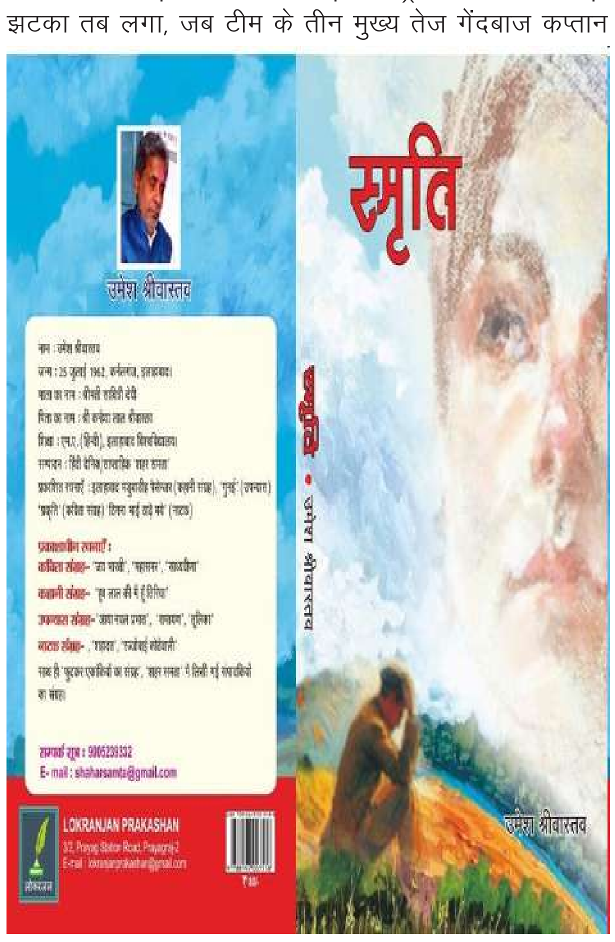

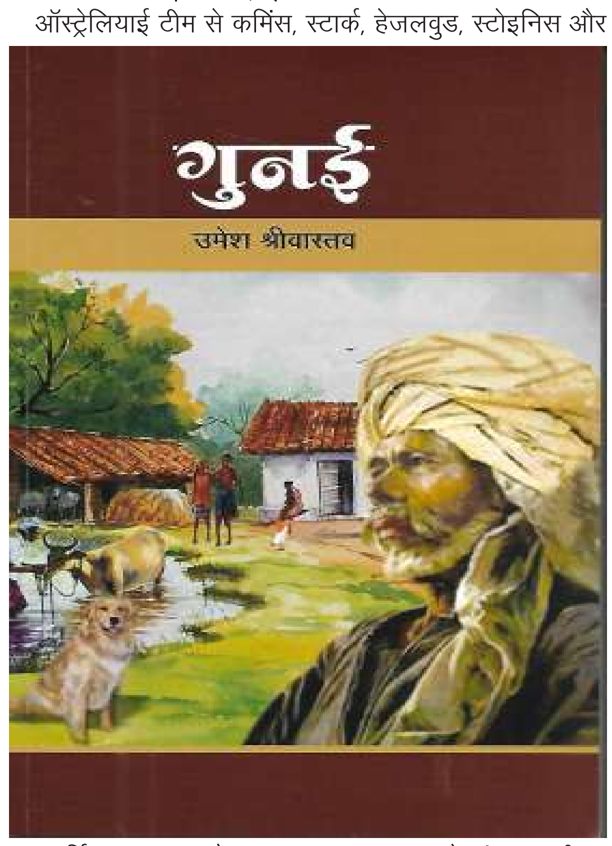

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

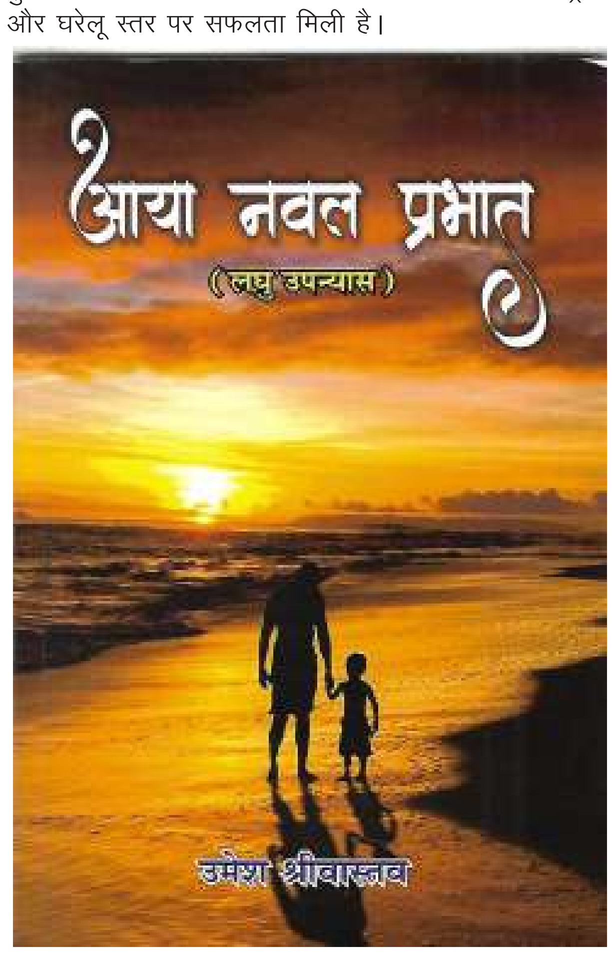

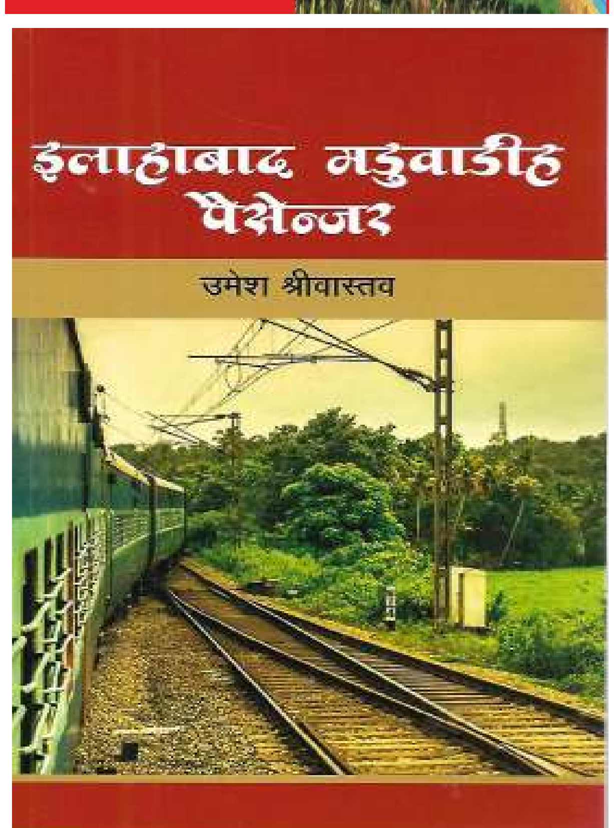

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

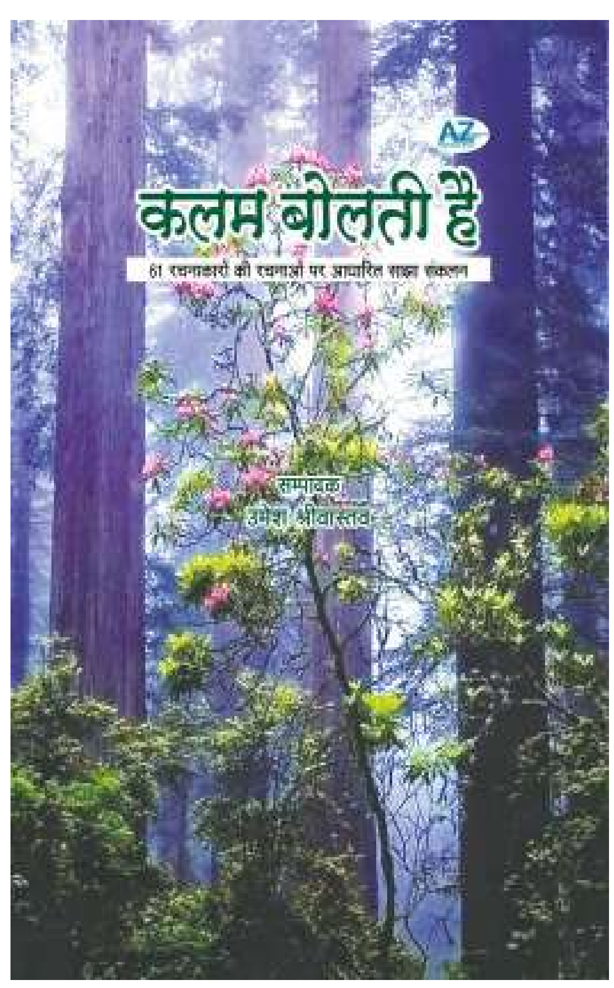

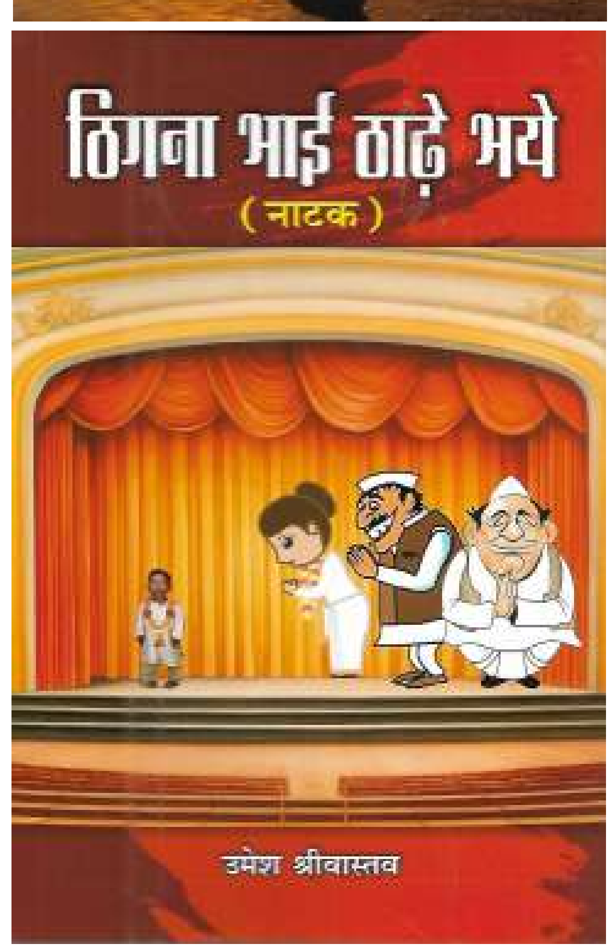

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

नेतन्याहू ने गाजा पट्टी में फिर से लड़ाई शुरू करने की धमकी दी

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंगलवार को धमकी दी कि अगर हमास शनिवार को उसके तीन बंधकों को रिहा नहीं करता है, तो इजराइली सेना गाजा पट्टी में फिर से लड़ाई शुरू कर देगी। नेतन्याहू ने इजराइली सेना को गाजा पट्टी के अंदर और उसके आसपास के क्षेत्रों में सैनिकों की तैनाती बढ़ाने का आदेश भी दिया है। उनका यह आदेश चरमपंथी समूह हमास द्वारा बंधकों की शनिवार को प्रस्तावित

रिहाई को टालने की धमकी दिए जाने के बीच आया है। इजराइल के एक अधिकारी ने बताया कि नेतन्याहू ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि "अगर हमास शनिवार को बंधकों को रिहा नहीं करता है, तो वे हर स्थिति के लिए तैयार रहें।" हमास की धमकी के कारण इजराइल और चरमपंथी समूह के बीच गाजा पट्टी में 15 महीने से अधिक समय से जारी युद्ध को रोकने के लिए लागू संघर्ष–विराम समझौता खतरे में पड़ गया है। इस समझौते के तहत हमास सैकड़ों फलस्तीनी कैदियों के बदले अब तक 21 इजराइली बंधकों को रिहा कर चुका है। हालांकि, सोमवार को उसने कहा कि समझौते के तहत गाजा पट्टी में पर्याप्त राहत सामग्री नहीं पहुंचाई जाने के कारण वह तीन और बंधकों की रिहाई टाल रहा है।

रूस ने हिरासत में लिए गए अमेरिकी शिक्षक को रिहा किया

रूस ने अपने देश में गिरफ्तार किए गए अमेरिकी शिक्षक मार्क फोजेल को रिहा कर दिया है। व्हाइट हाउस (अमेरिकी राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास और कार्यालय) ने फोजेल की रिहाई को एक कूटनीतिक सफलता करार दिया है, जिससे यूक्रेन में युद्ध की समाप्ति के लिए बातचीत को आगे बढ़ाया जा सकेगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने पेंसिल्वेनिया के शिक्षक फोजेल को लेकर रूसी हवाई अड्डे से उड़ान भरी। फोजेल के बुधवार सुबह तक अपने परिवार से मिलने की उम्मीद है। उन्हें प्रतिबंधित मादक पदार्थ रखने के आरोप में अगस्त 2021 में गिरफ्तार किया गया था और 14 साल की जेल की सजा सुनाई गई थी।

भारत के साथ संबंधों को प्राथमिकता दे रहा है ट्रंप प्रशासन : व्हाइट हाउस की पूर्व अधिकारी

अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन भारत के साथ संबंधों को प्राथमिकता दे रहा है और प्रशासन यह मानता है कि भारत में हिंद–प्रशांत क्षेत्र में बदलाव लाने की क्षमता है, साथ ही वह चीन के साथ प्रतिस्पर्धा करने के मामले में एक "महत्वपूर्ण साझेदार" है। व्हाइट हाउस की एक पूर्व अधिकारी ने यह बात कही। लिसा कर्टिस ने राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच बृहस्पतिवार को व्हाइट हाउस (अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) में होने वाली द्विपक्षीय वार्ता से पहले यह टिप्पणी की। कर्टिस 2017 से 2021 के बीच ट्रंप के पहले कार्यकाल में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में दक्षिण एवं मध्य एशिया की वरिष्ठ निदेशक थीं। मोदी की यात्रा की पूर्व संध्या पर वाशिंगटन डीसी में स्थित थिंक टैंक 'द सेंटर फॉर ए न्यू अमेरिकन सिक्योरिटी' (सीएनएएस) द्वारा मंगलवार को आयोजित एक ऑनलाइन प्रेस वार्ता में कर्टिस ने कहा, ''स्पष्ट रूप से, ट्रंप प्रशासन भारत के साथ संबंधों को प्राथमिकता दे रहा है।'' थिंक टैंक में वरिष्ठ फेलो और हिंद–प्रशांत सुरक्षा कार्यक्रम की निदेशक कर्टिस ने कहा, ''वह मानती हैं कि भारत उभरती हुई एक वैश्विक शक्ति है और वास्तव में इसमें हिंद–प्रशांत क्षेत्र और विश्व में बदलाव लाने की क्षमता है।'' कर्टिस ने कहा कि यह ''काफी उल्लेखनीय है कि नये ट्रंप प्रशासन के तहत घरेलू स्तर पर होने वाली हर चीज में भारत पर इतना ध्यान दिया जा रहा है।'' उन्होंने कहा, ''निश्चित रूप से, भारत सरकार ने भी बृहस्पतिवार की बैठक के लिए एक अच्छा माहौल बनाने को लेकर सकारात्मक कदम उठाए हैं।

जर्मनी में हाई–स्पीड ट्रेन और ट्रक की टक्कर; एक व्यक्ति की मौत, 25 घायल

बर्लिन। जर्मनी के हैम्बर्ग शहर के बाहरी इलाके में हाई–स्पीड ट्रेन और ट्रक के बीच हुई टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गई। हादसे में 25 अन्य लोग घायल बताए जा रहे हैं, जिनमें से छह गंभीर रूप से घायल हैं। पुलिस ने बताया कि हादसा मंगलवार को हुआ। ट्रक में रेलवे ट्रैक्स भरे हुए थे। हादसे के वक्त ICE ट्रेन में 291 लोग सवार थे। पुलिस ने बताया कि घायल यात्रियों को ट्रेन से निकालकर पास के स्टेशन पर बस के जरिए ले जाया गया। हालांकि, एक 55 वर्षीय यात्री की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जर्मन समाचार एजेंसी ने एक प्रत्यक्षदर्शी के हवाले से बताया कि ट्रेन ने क्रॉसिंग पर ट्रक को टक्कर मार दी और ट्रेन के आगे की डिब्बों की खिड़कियां टूट गईं। ट्रक का सामान दुर्घटनास्थल के आसपास बिखरा पड़ा था। पुलिस के मुताबिक, यह तुरंत साफ नहीं हो पाया कि दुर्घटना किस वजह से हुई। ट्रक चालक को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। बुधवार सुबह तक रेलगाड़ी को ट्रैक से हटा लिया गया था। इसके बाद रेलवे लाइन को फिर से खोल दिया गया था।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
. 919450482227

सलमान रुश्दी ने अपने ऊपर हुए चाकू हमले को लेकर अदालत में बयान दर्ज कराया

मेनविले (अमेरिका), एजेंसी। लेखक सलमान रुश्दी ने साल 2022 में उन पर चाकू से किए गए हमले का विवरण मंगलवार को पश्चिमी न्यूयॉर्क की एक अदालत में दिया। इस हमले की वजह से 77 वर्षीय लेखक की एक आंख की रोशनी चली गई और उन्हें उबरने में कई महीने लगे। हादी मतर (27) पर हत्या की कोशिश और हमले का आरोप है। उसने रुश्दी पर तब हमला किया था, जब वह अगस्त 2022 में भाषण देने की तैयारी कर रहे थे। हादी ने रुश्दी पर चाकू से कई वार किए थे। हालांकि, उसने खुद को निर्दोष बताया है। रुश्दी ने जूरी सदस्यों से कहा, "मैंने उसे तब देखा, जब वह बहुत करीब आ गया। मुझे पता था कि कोई व्यक्ति काले कपड़े और चेहरे पर काला मास्क पहने हुए है। मेरी नजरें उसकी आंखों पर

टिक गईं, जो बहुत क्रूर लग रही थीं।" रुश्दी ने कहा कि पहले तो उन्हें लगा कि चाकू से हमला करने वाला हमलावर उन्हें मुक्का मार रहा है। लेखक ने कहा, "लेकिन मैंने देखा कि मेरे कपड़ों पर बहुत सारा खून बह रहा था। वह मुझे बार–बार मार रहा था।" रुश्दी ने कहा कि जब वह भागने का प्रयास कर रहे थे, तो उनकी छाती और धड़ पर कई बार वार किया गया। उन्होंने कहा, "मैं बहुत बुरी तरह से घायल हो गया था। मैं खड़ा नहीं हो पा रहा था। मैं गिर गया।" लेखक ने कहा, "मुझे लगा कि मैं मर रहा हूं। मेरे दिमाग में बस यही ख्याल दौड़ रहा था।" अदालत कक्ष में बैठी रुश्दी की पत्नी रेचेल एलिजा ग्रिफिथ्स यह सुनकर रो पड़ीं। हमले में मंच पर रुश्दी के साथ मौजूद एक वक्ता भी घायल हो गए थे। पश्चिमी न्यूयॉर्क मामले में जूरी सदस्यों ने सोमवार को उस कला संस्थान के कर्मचारियों के बयान दर्ज किए, जहां रुश्ती पर चाकू से हमला हुआ था। हमले के बाद दर्शकों द्वारा पकड़े जाने के बाद से ही हादी हिरासत में है। यह मुकदमा दो सप्ताह तक चलने का अनुमान है। जूरी सदस्यों को हमले के दिन के वीडियो और तस्वीरें दिखाई जाएंगी। हालांकि, जिला अटॉर्नी जेसन श्मिट के अनुसार, उनके दिवंगत ईरानी नेता अयातुल्ला रूहोल्लाह खुमैनी द्वारा रुश्दी की हत्या के लिए जारी किए गए फतवे के बारे में सुनवाई करने की संभावना नहीं है। "मिडनाइट्स चिल्ड्रन" और "विक्ट्री सिटी" के लेखक रुश्दी ने 1989 में "द सैटेनिक वर्सेज" उपन्यास लिखा था, जिसके बाद खुमैनी ने फतवा जारी किया, जिसके चलते उन्हें कई वर्षों तक छिपकर जीवन बिताना पड़ा था। "द सैटेनिक वर्सेज" को कुछ मुसलमान ईशनिंदात्मक मानते हैं। सोमवार को अपनी शुरुआती गवाही के दौरान श्मिट ने कहा, "यह गलत पहचान का मामला नहीं है। हादी ही वह व्यक्ति है, जिसने बिना किसी उकसावे के रुश्दी पर हमला किया।" हालांकि, हादी का प्रतिनिधित्व करने वाले एक सरकारी वकील ने जूरी सदस्यों से कहा कि यह मामला उतना सीधा नहीं है, जितना अभियोजकों ने इसे बताया है। एक अलग अभियोग में संघीय अधिकारियों ने आरोप लगाया है कि 2006 में एक आतंकवादी संगठन द्वारा फतवे का समर्थन किए जाने के कारण हादी यह हमला करने के लिए प्रेरित हुआ। आतंकवाद के आरोपों पर बाद में बफेलो स्थित अमेरिकी जिला न्यायालय में सुनवाई निर्धारित की जाएगी।

तस्लीमा नसरीन की किताब बेचने पर बुक स्टॉल पर हमला, मोहम्मद यूनुस ने दिए जांच के आदेश

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश अक्सर गलत कारणों से चर्चा में बना हुआ है। बांग्लादेश में कट्टरपंथ इस कदर अपने पैर जमा रहा है कि अब वहां ये स्थिति हो गई है कि एक किताब विक्रेता ने अपने स्टॉल पर बांग्लादेशी लेखिका तस्लीमा नसरीन की किताब बिक्री के लिए रखी तो लोगों की भीड़ ने उस बुक स्टॉल पर ही हमला कर दिया। इस घटना पर बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने भी नाराजगी जाहिर की है और घठना की जांच के आदेश दे दिए। बांग्लादेश में राजधानी ढाका में एक किताब मेला चल रहा है। इसी किताब मेले में

सब्यसाची प्रोकाशनी प्रकाशन की स्टॉल लगी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस स्टॉल पर बांग्लादेश की विवादित लेखिका तस्लीमा नसरीन की एक किताब भी बिक्री के लिए प्रदर्शित की गई थी। इससे नाराजगी जताते हुए लोगों की एक भीड़ सब्यसाची प्रोकाशनी के स्टॉल पर पहुंच गई और स्टॉल को घेर लिया। लोगों ने तौहिदी जनता समूह के बैनर तले यह विरोध प्रदर्शन किया। हालात इतने बिगड़ गए कि पुलिस को प्रकाशन के प्रमुख को पुलिस कंट्रोल रूम ले जाना पड़ा, लेकिन गुस्साए लोग पुलिस कंट्रोल रूम भी पहुंच गए। किसी तरह पुलिस ने भीड़ को समझाया और मामले को शांत कराया। फिलहाल किताब मेले से सब्यसाची प्रोकाशनी के स्टॉल को बंद कर दिया गया है। तस्लीमा नसरीन ने भी घटना पर नाराजगी जताई। वहीं बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने भी घटना पर नाराजगी जाहिर करते हुए इसकी जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह से व्यवहार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जो भी लोग इस घटना में दोषी होंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई होगी। बांग्ला एकेडमी ने एक सात सदस्यीय समिति का गठन किया है,जो प्रकाशन पर हमले की जांच करेगी और समिति को तीन दिनों के भीतर अपनी जांच रिपोर्ट देने को कहा गया है।

अमेरिकी F-35 और रूसी Su-57 के बीच चल रही थी टक्कर, तभी भारत ने दुनिया को पहली बार दिखाई AMCA की झलक

इस वक्त भारत दुनिया की सबसे बड़ी डिफेंस मार्केट में से एक बन गया है। एयरो इंडिया शो 2025 इसका सबसे बड़ा उदाहरण बन गया। शो में अमेरिका और रूस ने अपने ताकत दिखाने के लिए सबसे घातक लड़ाकू विमान भेजे हैं। अमेरिका के अपने एफ 35 स्टील्थ फाइटर जेट और एफ़ 16 लड़ाकू विमान भेजने के ऐलान के बाद रूस ने भी बड़ा दाव खेला और एयर शो में एयू 57 स्टील्थ फाइटर जेट लाने की घोषणा कर दी। लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं हुई। अब भारत ने आखिरकार अपना पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान एएमसीए जिसे अडवांस मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट कहते हैं दुनिया के सामने पेश किया है। एयरो इंडिया शो 2025 में भारत ने एएमसीए के स्किल मॉडल को शो केस किया है। जिससे दुनियाभर में चर्चा छिड़ गई है। खास कर के चीन के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इसको लेकर हंगामा मचा हुआ है। कई चीनी हैंडलर्स की ओर से इसे ट्रोल करने की भी कोशिश की जा रही है। लेकिन यही इस बात का सबूत है कि भारत सही रास्ते पर है और एएमसीए ने चीनियों को ट्रिगर कर दिया है।

5वीं पीढ़ी के फाइटर जेट की जंग हुई तेज

एयरो इंडिया में 5वीं जेनरेशन के फाइटर जेट छाए हुए हैं। अमेरिका अपना फाइटर जेट एफ–35 लाया है तो रूस अपना जेट एसयू–57 लाया है। भारत भी अपने 5वीं जनरेशन फाइटर जेट एएमसीए (अडवांस मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट) पर काम कर रहा है। पहली बार भारत ने दुनिया के सामने एएमसीए का फुल स्केल मॉडल (यानी जो एयरक्राफ्ट का असल साइज होगा) रखा है। एएमसीए को पिछले साल ही कैबिनेट कमिटी ऑन सिक्योरिटी की मंजूरी मिली है। डीआरडीओ इसे बना रहा है। दुनिया के तीन देश ही अभी 5वीं जनरेशन फाइटर जेट बना रहे हैं। अमेरिका, चीन और रूस। अमेरिका के पास एफ–22 और एफ–35 जेट हैं। चीन के पास भी जे–20 और जे–35 और रूस के पास एसयू–57 है।

2036 तक लक्ष्य

एएमसीए के प्रोजेक्ट डायरेक्टर के आर, नीलि ने कहा एएमसीए मीडियम कटैगरी यानी 25 टन क्लास का है। इसमें वेपन अंदर होते हैं। इसकी पहली फ्लाइट 2028 के आखिर तक

होगी। 2034 तक इसके सर्टिफिकेशन का टारगेट है। 2036 तक इसे शामिल करने का लक्ष्य है।

जेट खरीदना विकल्प

भारतीय वायुसेना की फाइटर स्क्वॉड्रन लगातार कम हो रही हैं। तेजस–एमके–1ए मिलना शुरू होने का इंतजार है। रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि जरूरतों को पूरा करने के लिए सभी ऑप्शन खुले हैं। इसका मतलब है कि बाहर से फाइटर जेट खरीदना भी विकल्प हो सकता है।

अमेरिकी शिक्षक मार्क फोगेल रूस की जेल में तीन साल बिताने के बाद यूएस लौटे, राष्ट्रपति ट्रंप ने किया स्वागत

वॉशिंगटन। अमेरिकी शिक्षक मार्क फोगेल रूस की जेल में तीन साल बिताने के बाद अमेरिका लौट आए। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उनका स्वागत किया। वॉशिंगटन और मॉस्को के बीच हुए समझौते के तहत मार्क फोगेल की रिहाई हुई। मार्क फोगेल को गांजा रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। अमेरिकी झंडा अपने सीने से लपेटे हुए मार्क फोगेल एक विशेष विमान से वॉशिंगटन पहुंचे। इसके बाद उन्हें व्हाइट हाउस ले जाया गया, जहां खुद राष्ट्रपति ट्रंप ने उनका स्वागत किया। इस दौरान ट्रंप ने कहा कि श्मार्क फोगेल की रिहाई में छोटी सी भूमिका निभाकर वे सम्मानित महसूस कर रहे हैं।श फोगेल को अगस्त 2021 में मारिजुआना (गांजा) रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। रूसी अदालत ने साल 2022 में फोगेल को 14 साल जेल की सजा सुनाई थी। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज ने बताया कि ट्रंप प्रशासन, रूस के साथ यूक्रेन युद्ध को खत्म कराने को लेकर बातचीत कर रहा है। इसी बातचीत का परिणाम है कि फोगेल की रिहाई संभव हुई। ट्रंप प्रशासन में मध्य पूर्व मामलों के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ मार्क फोगेल को लेकर विशेष विमान से भारतीय समय अनुसार, बुधवार को अमेरिका पहुंचे। अमेरिका पहुंचने पर फोगेल ने कहा कि वह अपने देश से बेहद प्यार करते हैं और वापस आकर उन्हें बेहद अच्छा महसूस हो रहा है।

ट्रंप ने फिर दोहराया– गाजा पर अमेरिकी हक, 22 लाख+ फलस्तीनी पड़ोसी देशों में विस्थापित करेंगे

वाशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशियाई देश इस्राइल और अमेरिका के बीच बेहद करीबी रिश्ते रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद इस्राइल और हमास के बीच 15 महीने से जारी हिंसा फिलहाल रूक गई है। दोनों पक्षों के युद्धविराम के बीच कई बंधकों की रिहाई भी हुई है। अब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने हिंसाग्रस्त क्षेत्र गाजा पर अधिकार की बात को लेकर चर्चा में हैं। ट्रंप बीते एक हफ्ते में कई बार दोहरा चुके हैं कि गाजा पर अमेरिका का हक है। उन्होंने कहा है कि इस भूखंड की वर्तमान स्थिति ऐसी है, जहां कोई भी दोबारा बसना नहीं चाहेगा। उन्होंने

एक बार फिर दोहराया है कि यहां रहने वाले लगभग 22 लाख फलस्तीनी लोगों को जॉर्डन और मिस्र जैसे पड़ोसी देशों में विस्थापित किया जा सकता है। हालांकि, ट्रंप के इस बयान की आलोचना भी हो रही है।

ट्रंप के बयान के बीच जॉर्डन के राजा का रूख

पश्चिम एशिया में जॉर्डन और अमेरिका को सबसे करीबी सहयोगी माना जाता है। हालांकि, मिस्र के दौरे पर आए जॉर्डन के राजा अब्दुल्ला द्वितीय ने ट्रंप के श्गाजा पर अमेरिकी अधिकारश वाले बयान का विरोध भी किया। उन्होंने कहा, मिस्र एक योजना पर काम कर रहा है कि किस प्रकार पश्चिमी एशियाई देश ट्रंप के इस चौंकाने वाले प्रस्ताव पर उनके साथ श्काम करने को सहमतश हो सकते हैं।

गंभीर मानवीय संकट का समाधान सभी के लिए प्राथमिकता हो

जॉर्डन के राजा ने ट्रंप से मुलाकात के बाद कहा, श्मैंने गाजा और पश्चिमी एशिया में फलस्तीनियों के विस्थापन के खिलाफ जॉर्डन की दृढ़ स्थिति साफ कर दी है। यही अरब देशों का भी मानना है।श उन्होंने कहा, फलस्तीनियों को विस्थापित किए बिना गाजा में पुनर्निर्माण और गंभीर मानवीय संकट का समाधान सभी के लिए प्राथमिकता होनी चाहिए। अब्दुल्ला ने कहा, श्हम सऊदी अरब में इस बात पर चर्चा करेंगे कि अमेरिका के साथ मिलकर गाजा संकट का समाधान कैसे किया जा सकता है। मुझे लगता है कि हमें तब तक इंतजार करना चाहिए जब तक मिस्र राष्ट्रपति ट्रंप से मिलकर अपनी योजना सार्वजनिक नहीं करता।

गाजा में निजी संपत्ति विकसित करने का कोई इरादा नहीं

यह भी दिलचस्प है कि ट्रंप ने श्गाजा पर अमेरिकी हकश वाला बयान जॉर्डन के राजा के साथ मुलाकात के ठीक बाद दोहराया। ट्रंप ने जॉर्डन के राजा से मुलाकात के बाद ओवल ऑफिस में संवाददाताओं से कहा कि गाजा हमारे कब्जे में होगा। हमें इसे खरीदने की जरूरत नहीं है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।